हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 30 ● भिलाई, सोमवार 17 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

फुकेत-दिल्ली एयर इंडिया उड़ान पर एयरबस की अंतरिम रिपोर्ट

नईदिल्ली। थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान के दौरान 4 अगस्त को जो भयानक हलचल मची थी, उस पर विमान निर्माता कंपनी एयरबस की अंतरिम रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि घटना के दिन एआई-2379 उड़ान ने लगभग 4 सेकंड के लिए विमान का नियंत्रण खो गया था, जिसके कारण विमान की ऊंचाई अचानक लगभग 300 फीट कम हो गई थी। एयरबस ने डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) के विश्लेषण के बाद खुलासा किया कि विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी आई थी, जिससे विमान ने नियंत्रण खोया था। एयरबस ने प्रारंभिक जांच में यह भी बताया कि विमान की ऊंचाई घटने के दौरान उसे अगला भाग नीचे करने का निर्देश मिला था, जिसके कारण विमान नीचे की ओर झुक गया। तकनीकी खामियों को स्वीकारते हुए, एयरबस ने एयर इंडिया को विमान का विस्तृत निरीक्षण करने का सुझाव दिया है।

महाराष्ट्र में टैक्सी चालकों के लिए मराठी बोलना अनिवार्य, न मानने पर लाइसेंस होगा निलंबित

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक मीटर वाले टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया है। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र मोटर व्हीकल्स (थर्ड अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 जारी करते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। नए नियमों के तहत अब इलेक्ट्रॉनिक मीटर से चलने वाली टैक्सियों के अधिकृत चालकों और परमिट धारकों दोनों के लिए मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान होना जरूरी होगा। सरकार ने महाराष्ट्र मोटर व्हीकल्स नियम, 1989 में संशोधन किया है। नियम 4 में पूर्ववृत्त शब्द के बाद और मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान जोड़ा गया है। नियम 22 का हाशिया बदलकर इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगी मोटर कैब के चालकों के लिए अतिरिक्त नियम कर दिया गया है। सबसे अहम बदलाव नियम 24 में किया गया है। इसके तहत अब हर अधिकृत टैक्सी चालक को मराठी का कार्यसाधक ज्ञान होना अनिवार्य है। अगर किसी चालक के पास मराठी का ज्ञान नहीं है तो लाइसेंसिंग अथॉरिटी एक महीने का नोटिस देगी।

रासायनिक खेती छोड़ जैविक खेती अपनाएं

चौडगरा। मलवां विकास खंड के अल्लीपुर गांव में नमामि गंगे योजना के तहत जैविक कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया। उप कृषि निदेशक रामजतन मिश्र के निर्देशन में आयोजित गोष्ठी में किसानों को रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का प्रयोग कम कर प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख जितेंद्र सिंह जीतू ने कहा कि आधुनिक खेती में रासायनिक खाद और कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल का सीधा असर मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ रहा है।

नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति

विकास और समृद्धि की नई यात्रा पर-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- विकसित भारत के संकल्प में विकसित छत्तीसगढ़ की होगी महत्वपूर्ण भूमिका: मुख्यमंत्री
- बस्तर के नवनिर्माण का स्वर्णिम समय, अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा विकास: मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस माँ भारती की वंदना, हमारे गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करने का पावन अवसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव अंबेडकर और वीर सावरकर सहित स्वतंत्रता संग्राम के असंख्य सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाने वाले धरती आबा भगवान

बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, गेंद सिंह, धुरवा राव, यादव राव, वेंकट राव, डेबरी धुर और आयतु माहरा सहित जननायकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी का संदेश – 'पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं', संत कबीर की वाणी और बाबा गुरु घासीदास जी का 'मनखे-मनखे एक समान' का उद्घोष हमें स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों की निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्रीय एकता के संकल्प का स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साहसिक नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता मिली है। माओवाद से मुक्त बस्तर में आज तिरंगा यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता का उत्सव मनाया जा रहा है। जो क्षेत्र कभी हिंसा और भय से प्रभावित थे, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर की सर्वांगीण प्रगति डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। जगदलपुर में राष्ट्रीय स्तर की मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक का आयोजन बदलते बस्तर की नई पहचान का प्रतीक है।

अन्नदाता की समृद्धि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अन्नदाता हमारे भाग्य विधाता हैं और उनका सुख, सम्मान तथा समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जा रहा है। 'कृषक उन्नति योजना' की राशि का एकमुश्त भुगतान होली से पहले किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार एक्सट विविधीकरण को भी बढ़ावा दे रही है। धान के बदले दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसल लेने पर 'कृषक उन्नति योजना' के अंतर्गत 15 हजार रुपए की आदान सहायता देने का निर्णय लिया गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना के अनुरूप प्रदेश के 2,028 पैक्स का कंप्यूटरीकरण पूरा किया गया है और इनमें से 1,988 पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं।

विवाद पर मनन मिश्रा ने छात्रों से माफी मांगी

स्टूडेंट्स की भावनाएं..... और चिंताएं के मायने हैं

नई दिल्ली। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने चिट्ठी लिखकर NALSAR विवाद के कारण नाराज कानून छात्रों से माफी मांगी है. उन्होंने कहा, विवाद से जुड़ी उनकी किसी बात को लेकर किसी भावनाएं आहत हुई हैं, तो उन्हें खेद है. स्वतंत्रता दिवस पर जारी एक पत्र में मनन मिश्रा ने खेद व्यक्त करते हुए लिखा है कि आजादी के दिन के मौके पर मैं कानूनी बिरादरी के सभी सदस्यों और खासकर देश के लॉ स्टूडेंट्स को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं. बीसीआई चेयरमैन ने पत्र के माध्यम से कहा कि माफी मांगना

प्रतिष्ठा या अहंकार का सवाल नहीं है, बल्कि यह स्वीकार करना है कि छात्रों की भावनाएं और उनकी चिंताएं महत्वपूर्ण हैं. NALSAR छात्रों को लेकर जारी निर्देशों पर विवाद के बाद बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने माफी मांगी है.

उत्तराखंड के नर्सिंग स्टाफ, यूपीएनएल कर्मचारियों, बेरोजगार संघों और नेशनल ओल्ड पेंशन रेस्टोरेशन यूनाइटेड फ्रंट के प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

बेटे का भी मर्डर

कांग्रेस नेता अनीसुर रहमान की गोली मारकर हत्या की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में नदिया जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव अनीसुर रहमान और उनके बेटे की गोलियों और धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई. अनीसुर रहमान किसी काम से बाहर गए थे और बाद में अपनी कार से अपने बेटे अबू सुफ्यिान के साथ घर लौट रहे थे. कथित तौर पर रास्ते में कुछ बदमाशों ने उनकी कार को रोक कर गोलीबारी और धारदार हथियार से हमला किया. जानकारी सामने आने के बाद इलाके में तनाव का माहौल बताया जा रहा है. नादिया जिले में कांग्रेस से जुड़े नेता अनीसुर रहमान नादिया जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव और

नकाशीपाड़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके थे. कांग्रेस कमेटी के महासचिव अनीसुर रहमान नकाशीपारा इलाके के जाने-माने कांग्रेस नेता थे. प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सदस्य होने के साथ उन्होंने नादिया जिला कांग्रेस कमेटी में महासचिव की जिम्मेदारी भी संभाली थी.

तारिक रहमान के भारत दौरे पर बांग्लादेश ने रखी शर्त

पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को सौंपो,तभी आएंगे भारत!

ढाका/ एजेंसी

तारिक रहमान के भारत यात्रा से पहले वहां की सरकार ने एक शर्त रखी है। उनका कहना है कि पीएम तारिक रहमान भारत यात्रा पर इसी शर्त पर आएंगे, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत वापस उनके देश भेजता है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एकेएम शाहिदुल करीम ने रविवार को भारत के न्योते पर एक आधिकारिक बयान जारी किया। बयान में उन्होंने बताया कि तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर दोनों देश के अधिकारी पिछले कुछ सप्ताह से लगातार संपर्क में

थे। हसीना की प्रेस कांफ्रेंस का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में 5 अगस्त को हुए शेख हसीना की प्रेस वार्ता से तारिक रहमान की भारत यात्रा प्रभावित हुई है। करीम ने बताया कि 'हमारा मानना है कि इस उच्च स्तरीय यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनाए जाने की जरूरत है।' भारत सरकार के साथ हुए द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि का हवाला देकर बांग्लादेश ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अन्य भगोड़े अपराधियों को जल्द से जल्द वापस भेजने का आग्रह किया। साथ ही बांग्लादेश के प्रसिद्ध राजनीतिक कार्यकर्ता उस्मान हादी की हत्या में शामिल आरोपियों को भी जल्द बांग्लादेश को सौंपने की मांग की। बता दें, मार्च में उस्मान हादी की हत्या में शामिल दो आरोपियों को पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने उत्तर 24 परगना जिले के सीमावर्ती शहर बनगांव से गिरफ्तार किया था।

अंबाला कैंट में एनएच-44 पर बवाल, पथराव में डीएसपी समेत 7 पुलिसकर्मी घायल

अंबाला। हरियाणा के अंबाला कैंट में नेशनल हाईवे-44 पर देर रात स्थिति उस वक्त बेकाबू हो गई, जब सिख समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने करीब 6 घंटे तक हाईवे को जाम रखा। जाम खुलवाने पहुंची पुलिस टीम पर उपद्रवियों ने अचानक हमला बोल दिया और पथराव शुरू कर दिया। इस हिंसक झड़प में एक डीएसपी समेत करीब 6 से 7 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस को बेकाबू भीड़ को तितर-बितर करने और हाईवे को खाली कराने के लिए आंसू गैस के गोलों और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए हरियाणा के डीजीपी अजय सिंघल तुरंत अंबाला पहुंचे

मोहन भागवत ने चेताया

युवाओं को नहीं संभाला गया तो बोझ बन जाएंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश आज 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में तिरंगा फहराया। इस अवसर लोगों को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि भारत स्वतंत्र था, स्वतंत्र है और स्वतंत्र रहेगा। हालांकि देश को सुरक्षित, समृद्ध और विश्वगुरू बनाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना होगा। मोहन भागवत ने युवाओं को डेमोग्राफिक डिविडेंड बताया है। संघ प्रमुख ने

कहा कि युवाओं को नहीं संभाला गया तो बोझ बन जाएंगे। भागवत ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि देश को ऐसा राष्ट्र बनाना है, जो पूरी मानवता के लिए सार्थक योगदान दे। उन्होंने कहा युवा हमारी डेमोग्राफिक डिविडेंड (जनसांख्यिकीय लाभांश) हैं; अगर उन्हें सही ढंग से संभाला गया तो हमें फ़ायदा होगा, वरना वे समाज पर बोझ बन जाएंगे। मोहन भागवत ने कहा कि यह तो पक्का है कि हमारा देश आज़ाद हो गया है और आज़ाद ही रहेगा। हालांकि इसे खुशहाल, सुरक्षित और समृद्ध बनाने का काम अभी बाकी है। अगर हम इसे एक ऐसे देश में बदलना चाहते हैं जो दुनिया में अपना ज़रूरी योगदान दे, तो हमें यह मानना होगा कि हमारे रास्ते में कई रुकावटें और रुकावटें हैं। अपने मूल सिद्धांतों से भटके बिना, हमें दुनिया भर में इन चुनौतियों का सामना करना होगा।

सोनिया गांधी ने वंदे मातरम गाने से रोका...

तो भड़के शाह... चित्तौड़गढ़ से ललकारा,एफआईआर हुई दर्ज

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोनिया गांधी को ललकारा। 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम को रोकने की कोशिश के विवाद ने अब सियासी मोड़ ले लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चित्तौड़गढ़ से सोनिया गांधी को माफी मांगने को कहा है और 24 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया है। अमित शाह ने कहा, सोनिया गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में चल रहे वंदे मातरम को बीच में रोकने को कहा। सोनिया गांधी का किया हुआ ये पाप देश की जनता कभी माफ नहीं करेंगी। वंदे मातरम का गान अधूरा छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए। अमित शाह ने कहा, कांग्रेस वोट बैंक के लालच में 'वंदे मातरम' को भूल गई थी। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर रचना गाने के वे दो शब्द 'वंदे मातरम', जिसका अर्थ है 'हे मां भारत, मैं तुम्हें नमन करता हूं', इन शब्दों का उच्चारण करते हुए हजारों-लाखों स्वतंत्रता सेनानी फांसी के फंदे पर चढ़े, गोलियां और लाठियां खाईं और सालों तक जेल में रहे थे उसे गाने से रोका गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, कांग्रेस की बेशर्मी देखिए। कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में वंदे मातरम गान गाया जा रहा था। गान के दौरान कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गाना बंद करने के लिए कहा। हम सब टीवी पर देखते रहे। सोनिया जी, 140 करोड़ लोग आपको देख रहे हैं। आपने जो पाप किया है, उसे इस देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे। कोई वंदे मातरम गान को अधूरा छोड़ने का सपना भी कैसे देख

सकता है? कांग्रेस के लोगों को शर्म आनी चाहिए। विकास कार्यों का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि आज 15 जिलों में 5659 करोड़ के 944 कामों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं की तुलना करते हुए कहा, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हर घर नल और हर घर जल योजना शुरू की, तब राजस्थान के सिर्फ 11 लाख घरों में पानी पहुंचा था। 70 सालों में कांग्रेस ने 11 लाख घरों तक पानी पहुंचाया था लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने केवल 8 सालों में 64 लाख घरों तक पानी पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा, 70 साल में कांग्रेस ने जो काम किया, उससे 6 गुना ज्यादा काम प्रधानमंत्री मोदी ने 8 सालों में किया है। अमित शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि आज चित्तौड़गढ़ की इस पवित्र भूमि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व के अनुरूप भव्य प्रतिमा और स्मारक बनाने का काम किया है। 1.5 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह प्रतिमा 'अटल जी' के विचारों को दर्शाती है। उन्होंने इस काम से जुड़े हर कार्यकर्ता को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा, सैकड़ों वर्षों से राजस्थान की वीर भूमि देशभर के देशभक्तों के लिए वीरता की काशी रही है। इसी भूमि ने मुगलों को यह संदेश दिया कि हमें कोई झुका नहीं सकता। अमित शाह ने कहा, अटल बिहारी वाजपेयी पत्रकार बने तो कलम से राष्ट्रभक्ति को आगे बढ़ाया।

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का किया अनावरण

रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की अनावरण के कार्यक्रम में पहुंचे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ मिलकर, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने राजस्थान सरकार के 15 जिलों में करीब 5659 करोड़ रुपए की लागत वाले 944 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम के मंच पर पहुंचते ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमित शाह का पारंपरिक साफा पहनाकर स्वागत किया।

स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, राष्ट्र के प्रति हमारी जवाबदेही और कर्तव्य भी है : देवेश मिश्रा

भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने दुर्ग, रिसाली, अमलेश्वर और रायपुर में किया ध्वजारोहण, बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

दुर्ग/रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भगवा पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने दुर्ग, रिसाली-भिलाई, अमलेश्वर और रायपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर ध्वजारोहण किया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वतंत्रता का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जवाबदेही और कर्तव्य भी है।

देवेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी हमें अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी देती है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद कई बार जनता से किए गए वादों को भुला दिया जाता है और संविधान की भावना के विपरीत कार्य किए जाते हैं। उन्होंने लोगों से ऐसे राजनीतिक रवैये के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

शिक्षा संस्कार विद्यालय में हुआ मुख्य कार्यक्रम

प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने पोटिया स्थित शिक्षा संस्कार विद्यालय में सुबह 8 बजे ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन करने के साथ हुई। इसके बाद तिरंगे की पूजा कर ध्वजारोहण किया गया।तिरंगा फहराते ही विद्यालय परिसर 'वंदे मातरम्', 'तिरंगा झंडे की जय' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने बच्चों के साथ मिलकर राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। पूरे परिसर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल नजर आया।कार्यक्रम में भगवा पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिन्द्र साहू एवं अतुल नंद शुक्ला, प्रदेश महासचिव ज्ञानेश्वर प्रसाद ताम्रकार, प्रदेश कोषाध्यक्ष परमेश्वर ठाकुर, प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता एवं भोजराज यादव तथा विद्यालय संचालक मंडल प्रमुख विजय कटरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों में उत्साह और देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को आगे भी इसी तरह मेहनत करते हुए अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

चार स्थानों पर किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देवेश मिश्रा ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत दुर्ग स्थित शिक्षा संस्कार विद्यालय, प्रगति नगर रिसाली-भिलाई, अमलेश्वर तथा रायपुर के सुंदरनगर स्थित भगवा पार्टी प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण किया।उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होना होगा। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता दिवस के दिन ढाई लाख का गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

सूरजपुर। जिले में नशे के खिलाफ अभियान जारी है। इस अभियान के तहत आरोपियों को गिरफ्तार कर नशे का अवैध सामान बरामद किया जा रह है। इसी कड़ी में पुलिस ने नशे के सौदागर से ढाई लाख रूपए का गांजा बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत निगाह बनाए हुए है और लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 15 अगस्त को थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि केतका की ओर से एक व्यक्ति बिना नंबर के मोटर सायकल में गांजा बिक्री करने सपकरा की ओर जा रहा है। सूचना पर थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा ग्राम पोड़ी में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित अतिउल्ल खान पिता स्व. नबीउल्ल खान उम्र 31 वर्ष निवासी साहूपारा थाना सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से 4 किलो 900 ग्राम गांजा कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रूपये का जप्त किया गया। मामले में परिवहन में मोटर सायकल व गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर अलरिक लकड़ा, एसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, सउनि मनोज पोर्ते, प्रधान आरक्षक हितेश्वर राजवाड़े, आरक्षक जितेन्द्र पटेल व रविराज पाण्डेय सक्रिय रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर भिलाई वासियों को राहत, चंद्रा मौर्य रोड अंडरब्रिज छोटे वाहनों के लिए खुला

वार्ड-30 के क्रम में 2.55 मीटर से कम ऊंचाई वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति, भारी वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

भिलाई- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भिलाई वासियों को आवागमन की सुविधा देते हुए चंद्रा मौर्य रोड अंडरब्रिज क्रमांक-358 (क्रक), वार्ड क्रमांक-30 को छोटे वाहनों के लिए खोल दिया गया है। अंडरब्रिज का शुभारंभ महापौर नीरज पॉल, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा एवं जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता की उपस्थिति में किया गया।

अंडरब्रिज खुलने से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। हालांकि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यहां वाहनों के प्रवेश को लेकर कुछ जरूरी प्रतिबंध निर्धारित किए गए हैं।

2.55 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले वाहन प्रतिबंधित- नगर निगम के अनुसार अंडरब्रिज में 2.55 मीटर से कम ऊंचाई वाले छोटे वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। निर्धारित ऊंचाई से अधिक वाले तथा भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

भारी वाहनों के प्रवेश से अंडरब्रिज की संरचना को नुकसान पहुंचने के साथ दुर्घटना की आशंका को देखते हुए वाहन चालकों से निर्धारित प्रतिबंध का पालन करने की अपील की गई है। भारी वाहन चालक आवश्यकता के अनुसार वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करेंगे।

20 किमी प्रति घंटे की होगी अधिकतम रफ्तार

अंडरब्रिज के भीतर अधिकतम गति सीमा 20 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। नगर निगम ने वाहन चालकों और आम नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित गति सीमा का पालन करें और यातायात नियमों के अनुरूप सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करें।

नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि अंडरब्रिज को छोटे वाहनों के लिए खोलने का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही सुरक्षा मानकों का पालन करना वाहन चालकों की जिम्मेदारी है।

नगर निगम की अपीलः अंडरब्रिज में प्रवेश से पहले वाहन की ऊंचाई का ध्यान रखें, भारी वाहनों के लिए प्रतिबंधित मार्ग का उपयोग न करें और 20 किमी प्रति घंटे की गति सीमा का पालन करते हुए सुरक्षित सफर करें।

प्रयास दिव्यांग स्कूल में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सहयोग गतिविधियां

भिलाई। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रयास दिव्यांग स्कूल, दक्षिण गोत्री, सुपेला, भिलाई में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा बच्चों के लिए खेल-कूद एवं मनोरंजन सामग्री वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों, शिक्षकों, प्रबंधन तथा ब्लू क्रॉस एंड ब्लू क्रिसेंट मूवमेंट के दुर्ग संभागीय कमांड के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस मनाने के साथ समाज में समावेशिता, समान अवसर, मानवीय गरिमा, सामाजिक सहभागिता, आत्मविश्वास एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा देना भी रहा। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की प्रतिभा और क्षमता को सीमित नहीं करती। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, खेल, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं सामाजिक जीवन में समान अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

बच्चों को खेल एवं मनोरंजन सामग्री वितरित

कार्यक्रम के दौरान ब्लू क्रॉस एंड ब्लू क्रिसेंट मूवमेंट की ओर से विद्यालय के बच्चों के उपयोग के लिए विभिन्न खेल एवं मनोरंजन सामग्री उपलब्ध कराई गई। इनमें बैट-बॉल, कैरम बोर्ड, शतरंज बोर्ड, बैडमिंटन रैकेट एवं फुटबॉल शामिल रहे। इसके अलावा बच्चों के लिए जलपान एवं रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी की गई। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, शारीरिक सक्रियता, रचनात्मकता, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा।

विद्यालय प्रबंधन का आभार

कार्यक्रम के सफल आयोजन तथा बच्चों के निरंतर मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेश पांडे एवं सचिव श्री विपिन बंसल के योगदान की सराहना की गई। संगठन की ओर से विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित

कार्यक्रम में श्री तरनजीत सिंह सूरी, संभागीय कमांडर प्रभारी, दुर्ग संभागीय कमांड; श्री अभिषेक शर्मा, जिला मानवीय मामलों एवं जन समन्वय अधिकारी; श्री करण गुप्ता, जिला सामुदायिक संचालन एवं कल्याण समन्वयक; सुश्री सुनीता मुरकुटे, ब्लॉक महिला एवं सामुदायिक मामलों की अधिकारी; श्रीमती तेजस्वी सोनवानी; अधिवक्ता संदीप नागरे; डॉ. संगीता चंद्राकर; ज्योति चंद्राकर; टी. बसम्मा मैडम; नायशा चंद्राकर तथा सपना गजभिये सहित अन्य सदस्य एवं सहयोगी उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस की खुशियां साझा कीं तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

गैस रिसाव पर दुर्ग पुलिस का त्वरित एक्शन, एक घंटे में बहाल हुआ यातायात

दुर्ग। राजनांदगांव बाईपास स्थित डी-मार्ट के सामने रविवार रात सीएनजी टैंकर से गैस रिसाव की सूचना मिलने के बाद दुर्ग पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। पुलिस की तत्परता, संबंधित एजेंसियों के समन्वय और आम नागरिकों के सहयोग से करीब एक घंटे के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर यातायात को सुचारु करा दिया गया।जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 9 बजे अनुराग कूरियर कंपनी के वाहन क्रमांक छत्त 10 छछ 2598 में रखे सीएनजी टैंकर से गैस रिसाव की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस उपमहानिरीक्षक विजय अग्रवाल ने सभी संबंधित थाना क्षेत्रों और यातायात पुलिस की टीमों को तत्काल सक्रिय किया। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने नेहरू नगर गुरुद्वारा तिराहा से यातायात को डायवर्ट कर दिया। वहीं गैस रिसाव वाले टैंकर के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा घेरा बनाया गया।

किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड को भी तत्काल मौके पर बुलाया गया।

पुलिस और संबंधित टीमों की त्वरित कार्रवाई के बाद टैंकर को सुरक्षित तरीके से सड़क किनारे किया गया। इसके बाद महज एक घंटे के भीतर मार्ग पर आवागमन पुनः शुरू करा दिया गया।आपात स्थिति के दौरान आम नागरिकों, ट्रक चालकों और अन्य वाहन चालकों ने भी संयम और सतर्कता का परिचय दिया। लोगों ने पुलिस द्वारा किए जा रहे सुरक्षा उपायों में सहयोग किया और यातायात डायवर्जन सहित अन्य निर्देशों का पालन किया।दुर्ग पुलिस की तत्परता और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के चलते स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। इससे संभावित बड़े हादसे को टालने में सफलता मिली।

1100 फीट से अधिक लंबाई की निकली तिरंगा यात्रा

धमतरी। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से धमतरी शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सुबह 11 बजे म्युनिसिपल स्कूल से हुआ। इस दौरान तिरंगा यात्रा में महापौर नगर निगम रामू रोहरा, पूर्व विधायक इंदरचंद चोपड़ा, रंजना साहू, जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, ठाकुर शशि पवार, तिरंगा यात्रा कार्यक्रम संयोजक चेतन हिन्दुजा एवं रोहिताश मिश्रा, नगर निगम के पार्षदगण, एल्डरमेन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए। यात्रा ने धमतरी शहर से तिरंगे के सम्मान में एकजुट भारत का संदेश दिया। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व आयोजित इस भव्य आयोजन ने नागरिकों में देशप्रेम, राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को और प्रबल

किया। तिरंगा यात्रा म्युनिसिपल स्कूल से प्रारंभ होकर कोडुमल धर्मशाला, बजरंग चौक, शिव चौक, दुर्गा चौक, बनियापारा, कचहरी चौक, गांधी चौक एवं गणेश चौक होते हुए गौशाला मैदान पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के दौरान देशभक्ति से ओत.प्रोत नारों और राष्ट्रीय एकता के संदेशों से शहर का वातावरण राष्ट्रप्रेम से सराबोर रहा। यात्रा का विशेष आकर्षण स्कूल एवं

कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया 1100 फीट से अधिक लंबा तिरंगा रहा। विशाल तिरंगे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते विद्यार्थियों और नागरिकों ने एकता, अखंडता और देशभक्ति का जीवंत संदेश दिया। विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने तिरंगा यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, गौरव, त्याग, संघर्ष और एकता का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है, जिनके त्याग और संघर्ष से देश को आजादी मिली। तिरंगा यात्रा जैसे आयोजन नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने और नागरिकों को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधने का प्रभावी माध्यम हैं। महापौर रोहरा ने कहा कि देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। आपसी सदभाव, सामाजिक समरसता, स्वच्छता, अनुशासन और जिम्मेदार नागरिकता की भावना के साथ हम अपने शहर और देश को और मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

चाकू लहराकर लोगों को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना कोतवाली जगदलपुर पुलिस ने दलपत सागर राम मंदिर के सामने धारदार चाकू लहराकर आम लोगों को डराने-धमकाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान सुमित शेट्टी (22), पिता राजा टांगरी, निवासी कालीपुर अटल आवास, जगदलपुर के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दलपत सागर राम मंदिर के सामने एक युवक धारदार चाकू लहराकर आने-जाने वाले लोगों को धमका रहा है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी सुमित शेट्टी को पकड़ा। उसके कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर उसे 13 अगस्त 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन अपराधी है और पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वर्ष 2024 में वह डकैती एवं आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों और गुंडा-बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

बेमेतरा में बुजुर्ग दंपती की नृशंस हत्या, खून से लथपथ मिले शव; जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। जिले के परपोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कमकावड़ा में बुजुर्ग दंपती की नृशंस हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। गांव में 60 वर्षीय बलिराम साहू और उनकी पत्नी के शव खून से लथपथ हालत में मिले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए हैं। हत्या किन परिस्थितियों में और किस वजह से की गई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। घटना के बाद पुलिस ने गांव और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल से जुड़े सभी तथ्यों और घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। हत्या के पीछे आपसी विवाद, रंजिश या अन्य किसी वजह की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। बुजुर्ग दंपती की हत्या की खबर सामने आने के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। वहीं वारदात के बाद गांव में भी दहशत का माहौल है।

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना मुलमुला क्षेत्र के ग्राम तागा में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में मुलमुला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी ईश्वरी यादव (53 वर्ष), निवासी ग्राम तागा ने थाना मुलमुला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उसका पुत्र अनिल यादव, ग्राम निवासी शिवशंकर कश्यप के ट्रैक्टर में काम करने जाता था। इसी दौरान ट्रैक्टर पलटने की घटना में ट्रैक्टर पर सवार अनिल यादव की मृत्यु हो गई थी। घटना के संबंध में प्रार्थी ने थाना पामगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया गया कि इसी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने प्रार्थी के घर में घुसकर लोहे की रॉड एवं हाथ-मुक्के से उसके साथ मारपीट की। शिकायत पर थाना मुलमुला में अपराध क्रमांक 162/2026 के तहत धारा 296, 115(2), 117(1), 333 एवं 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुलमुला पुलिस ने आरोपियों की तलाश में तत्काल दबिश दी और दोनों आरोपियों को उनके निवास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी शिवशंकर कश्यप, पिता रामकृष्ण कश्यप, उम्र 32 वर्ष रामशंकर कश्यप, पिता रामकृष्ण कश्यप, उम्र 25 वर्ष दोनों आरोपी ग्राम तागा, थाना मुलमुला, जिला जांजगीर-चांपा के निवासी हैं। सराहनीय योगदान उक्त कार्रवाई में निरीक्षक पारस पटेल, थाना प्रभारी मुलमुला, प्रधान आरक्षक बलबीर सिंह सहित थाना मुलमुला पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कोंडागांव में गौहत्या का मामला, जंगल में गाय काटते छह आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के इरागांव थाना क्षेत्र में गौहत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने ग्राम पड्डे के जंगल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए छह लोगों को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी गाय को काटकर उसकी चमड़ी निकाल रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि शोक कार्यक्रम के लिए मांस तैयार करने के उद्देश्य से गौहत्या की गई थी। घटना की सूचना विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को मिली थी। इसके बाद उन्होंने इरागांव पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ग्राम पड्डे के जंगल क्षेत्र में पहुंची, जहां छह लोग कथित रूप से गाय को काटकर उसकी चमड़ी निकालते हुए मिले।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

मुख्यमंत्री साय ने पुलिस परेड ग्राउंड पर किया ध्वजारोहण, परेड की ली सलामी

- हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आजादी का 80वां पर्व
- 17 प्लाटूनों ने परेड में किया आकर्षक मार्च पास्ट उत्कृष्ट दलों को मिले पुरस्कार

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश का वाचन भी किया। समारोह में 17 प्लाटूनों ने भव्य मार्च पास्ट कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह मार्च पास्ट भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी श्री विमल कुमार पाठक के नेतृत्व में हुई। इस बार बिहार प्रदेश की पुलिस टुकड़ी आमंत्रित वर्ग में परेड में शामिल हुई। परेड के टूआईसी श्री निशांत गौरव कुर्रे थे। परेड में सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ आईटीबीपी, सीआईएसएफ एसएसबी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (पुरुष-महिला), छत्तीसगढ़ पुलिस, जेल पुलिस, नगर सेना (पुरुष-महिला), एनसीसी (बालक-बालिका), बैण्ड प्लाटून, घुड़सवार दल और डॉग स्क्वॉड शामिल रहे। समारोह में महिला बैग पाईपर बैंड दल ने भी आकर्षक प्रस्तुती दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में उत्कृष्ट दलों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। केन्द्रीय बलों के वर्ग में भारत तिब्बत सीमा पुलिस की टुकड़ी को पहला स्थान मिला। आईटीबीपी के दल को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर सीमा सुरक्षा बल और तीसरे स्थान पर केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल का दल रहा। सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी को तीन हजार रूपए और सीआरपीएफ की टुकड़ी को दो हजार रूपए नकद राशि के साथ ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्य बलों के वर्ग में पहला स्थान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (महिला) को प्राप्त हुआ। विजेताओं को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ जेल पुलिस का दल दूसरे स्थान पर रहा, जिसे तीन हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल (पुरूष) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिन्हें दो हजार रूपए की नकद राशि और ट्रॉफी से नवाजा गया। कंटीजेंट एनसीसी वर्ग में पहला स्थान एनसीसी गर्ल्स और दूसरा स्थान एनसीसी बॉयज के दल को मिला। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दोनों दल कमांडरों को ट्रॉफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर परेड-टू-आईसी श्री निशांत गौरव कुर्रे, परेड कमांडर श्री विमल कुमार पाठक, महिला बैग पाईपर दल की कमांडर श्रीमती सोनबती ठाकुर, घुड़सवार दल के कमांडर श्री अनिल यादव, श्वान दल के कमांडर श्री राज कपूर सहित परेड प्रस्तुतियोजन के लिए डॉ. अनुराधा दुबे और श्री मनीष परमानंद को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

राजस्व वसूली तेज करने और अवैध प्लाटिंग पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

- अवैध नल कनेक्शनों का नियमितीकरण, रैन वाटर हार्वेस्टिंग और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर भी जोर

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने नगर निगम मुख्यालय स्थित महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल बैठक लेकर विभिन्न कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने और जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री मिश्रा ने सभी जोन कमिश्नरों को शहर में अवैध प्लाटिंग के मामलों पर नियमानुसार प्रक्रिया के तहत कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध निर्माणों और भवन अनुज्ञा से जुड़े प्रकरणों में भी अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। आयुक्त ने नगर निगम के हित में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली में तेजी लाने और अधिकाधिक राजस्व संग्रह सुनिश्चित करने के निर्देश भी सभी जोन कमिश्नरों को दिए। टीएल बैठक में आयुक्त ने अवैध नल कनेक्शनों के नियमितीकरण अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने अभियान में तेजी लाते हुए अवैध नलों को नियमानुसार नियमित करने तथा उन्हें नगर निगम की करारोपण व्यवस्था में प्राथमिकता से शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप शहर में रैन वाटर हार्वेस्टिंग अभियान चलाकर अधिक से अधिक स्थानों पर वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। रायपुर जिला प्रशासन की प्रोजेक्ट पुनर्जीवन योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए।

कटहल की आड़ में 125 किलो गांजा तस्करी का खुलासा किया

रायपुर/ संवाददाता

महासमुंद पुलिस ने गांजा तस्करी के एक मामले की एंड टू एंड विवेचना करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के सोर्स पॉइंट आरोपी बीकास कुमार साहू को ओडिशा के अंगुल जिले से गिरफ्तार किया है। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी को दबोचा। मामला थाना सिंघोड़ा के अपराध क्रमांक 59/2026, धारा 20 एनडीपीएस एक्ट से संबंधित है। दो माह पूर्व 6 जून 2026 को महासमुंद पुलिस को सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन क्रमांक क्र-70 ख्ख 0860 में दो व्यक्ति कटहल की आड़ में गांजा छिपाकर उत्तर प्रदेश ले जा रहे हैं। सूचना पर रेहटीखोल अंतरराज्यीय जांच नाका में वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान मुखबिर के बताए हुलिए और नंबर वाले संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में कटहल के नीचे बोरियों में छिपाकर रखा गया 125.700 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत 62.85 लाख रुपये बताई गई। पूछताछ में आरोपियों ने गांजा बलांगीर, ओडिशा से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ले जाने की बात बताई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गांजा, टाटा माजदा वाहन और मोबाइल फोन समेत कुल करीब 70.93 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की थी। मामले में पुलिस ने मौके से उत्तर प्रदेश निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें धीरेंद्र कुमार गौतम, उम्र 42 वर्ष, निवासी करछना, जिला प्रयागराज और लवकुश गौतम, उम्र 22 वर्ष, निवासी बारा, जिला प्रयागराज शामिल हैं। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। पुलिस द्वारा मामले की एंड टू एंड एवं फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन करते हुए तस्करी के सोर्स पॉइंट और डेस्टिनेशन पॉइंट की कड़ियों को खंगाला गया।

राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड, पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में लगभग साढे 800 स्कूली विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ की लोककला और संस्कृति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दी।

गांव की चारागाह जमीन बचाने कलेक्ट्रेट पहुंचे कोकड़ी के सैकड़ों ग्रामीण

पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

रायपुर। संवाददाता

महासमुंद जिले के ग्राम कोकड़ी के सैकड़ों ग्रामीण आज पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर के नेतृत्व में जिला कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गांव की चारागाह भूमि को सुरक्षित रखने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी निस्तारी भूमि को रिसार्ट और औद्योगिक उपयोग के लिए आवंटित किया जा रहा है, जिससे गांव के पशुपालन और आजीविका पर सीधा संकट आ जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम कोकड़ी,

ग्राम पंचायत खटटा, रा.नि.मं. पटेवा, उपतहसील पटेवा में स्थित खसरा नंबर 162, 163, 164 और 289 कुल 20.71 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में घास चारागाह मद में दर्ज है। यह भूमि पीढ़ियों से गांव के 125 मवेशियों के चराई और निस्तार का एकमात्र साधन रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी भूमि में से 2.40 हेक्टेयर को रिसार्ट निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को तथा शेष 14.17 हेक्टेयर को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को आवंटित करने का प्रस्ताव है। ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव क्रमांक 01 दिनांक 01.01.2025 के माध्यम से इस आवंटन पर आपत्ति दर्ज कराई थी, इसके बावजूद आदेश जारी किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक श्री चंद्राकर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिना ग्रामीणों की सहमति के उनकी जमीन का अधिग्रहण करना अन्याय की पराकाष्ठा है।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, हत्या को फांसी का रूप देने वाले ससुर-दामाद गिरफ्तार

रायपुर। थाना कुकदूर क्षेत्र के ग्राम बिजोराटोला में प्रेमसिंह बैगा की फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू की गई। घटनास्थल निरीक्षण एवं शव पंचनामा के दौरान मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने से मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेन्द्र कुमार यादव (भापुसे) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार व अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी भूपत सिंह के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी कुकदूर निरीक्षक संतोष मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित कर जांच की गई। जांच में सामने आया कि दिनांक 08.08.2026 को ग्राम कांदावानी निवासी छत्तर सिंह बैगा अपने दामाद चैतराम बैगा के साथ बैगाई-गुनियाई एवं झाड़-फूंक के लिए ग्राम बिजोराटोला पहुंचा था। दोनों ने प्रेमसिंह बैगा के साथ शराब का सेवन किया। इसी दौरान बैगाई-गुनियाई की बात को लेकर विवाद एवं झूमाझटकी हुई, जिसमें छत्तर सिंह एवं चैतराम ने मिलकर प्रेमसिंह के साथ मारपीट की तथा साड़ी से उसका गला कसकर हत्या कर दी।

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के बाद अब विकास का नया दौर शुरू

- शिक्षा, रोजगार, सड़क, स्वास्थ्य, कृषि, वनोपज और स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास से भरना

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लंबे समय से चल रही सुरक्षा मुहिम के बाद अब सरकार की रणनीति का अगला चरण बस्तर और नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों को विकास, रोजगार और बेहतर बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने पर केंद्रित है। केंद्र सरकार के अनुसार 31 मार्च को देश ने वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ निर्णायक उपलब्धि हासिल की। अब छत्तीसगढ़ में चुनौती केवल सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की नहीं, बल्कि नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थायी शांति और विकास का माहौल तैयार करने की है। केंद्र सरकार ने बस्तर के लिए अब 'सुरक्षा से विश्वास, विश्वास से विकास, विकास से समृद्धि और समृद्धि से संतृप्ति' की दिशा तय की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मई 2026 में जगदलपुर में कहा था कि सिर्फ नक्सल-मुक्त होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि 2031 तक बस्तर को पूरी तरह विकसित क्षेत्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है। आने वाले पांच वर्षों में बस्तर की आय को कई गुना बढ़ाने का लक्ष्य भी सामने रखा गया है। इस नई रणनीति में सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ गांव-गांव तक शासन की पहुंच, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, वन उपज और अधोसंरचना को प्राथमिकता दी जा रही है।

बस्तर में गरिमामय और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

उपमुख्यमंत्री ने जगदलपुर के लालबाग मैदान में किया ध्वजारोहण

रायपुर/ संवाददाता

ऐतिहासिक लालबाग मैदान, जगदलपुर में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और परेड का निरीक्षण करते हुए आकर्षक मार्चपास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का स्वतंत्रता दिवस संदेश जनता के नाम वाचन किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने परंपरा के अनुरूप शहीद परिवारों और भूतपूर्व सैनिकों से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री बद्रीनारायण मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड कमांडर उप पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भारती और परेड टू-आईसी उप निरीक्षक श्री ओम प्रकाश के नेतृत्व में 16 प्लाटूनों ने बैंड की धुन पर शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। शस्त्र सहित दलों की श्रेणी में सीआरपीएफ 241वीं महिला बटालियन, सेड़वा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीआरपीएफ 80वीं पुरुष बटालियन, कैंप जगदलपुर ने द्वितीय तथा जिला नगर सेना महिला बल, बस्तर ने तृतीय स्थान हासिल किया। अन्य उत्कृष्ट दलों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। शस्त्र रहित दलों की श्रेणी में एनसीसी पीएम श्री सेजेस जूनियर डिवीजन, धरमपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पीजी कॉलेज, धरमपुरा-02 द्वितीय तथा एनसीसी सेजेस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, जूनियर विंग, जगदलपुर तृतीय

स्थान पर रहा। अन्य प्रतिभागी दलों को भी सांत्वना पुरस्कार दिए गए। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिजनों से भेंट कर उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के नन्हे-मुन्ने कलाकारों ने देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। माता रुक्मणी कन्या आश्रम डिमरापाल, संस्कार द गुरुकुल चिड़ईपदर, निर्मल हायर सेकेंडरी स्कूल, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय जगदलपुर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तितिरगांव के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में माता रुक्मणी कन्या आश्रम डिमरापाल ने प्रथम स्थान हासिल किया। संस्कार द गुरुकुल चिड़ईपदर को द्वितीय तथा निर्मल हायर सेकेंडरी स्कूल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर श्री संजय पाण्डेय, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, पुलिस एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

कब बनेगी दिल्ली जल-भराव मुक्त? हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी

दिल्ली में जल-भराव की समस्या से निपटने के मुद्दे पर काम कम और सियासत ज्यादा होती है। हमेशा की तरह इस दफा भी यही देखने-सुनने को मिल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में अन्य शहरों के मुकाबले हर मोर्चे पर व्यवस्था बेहतर होगी। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि यहां बरसात से जुड़ी समस्याएं वर्षों से जस की तस बनी हुई हैं। गर्मी के मौसम में यहां कई इलाकों में लोग पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस जाते हैं, तो बरसात में पानी घरों और सड़कों को ही डुबो देता है।दिल्ली में सत्ता भले ही बदलती रहती है, लेकिन व्यवस्था में कोई बदलाव या सुधार नजर नहीं आता है। यहां नई सरकार के कमान संभालने के बाद दावे किए जा रहे थे कि शहर को जल-भराव मुक्त बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन बीते दो-तीन दिनों में दिल्ली में बारिश ने सरकार के इन दावों पर ही पानी फेर दिया है।भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, वर्ष 2011 के बाद अगस्त के पहले सप्ताह में शुक्रवार को यहां सबसे अधिक 127 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। जाहिर है कि जब एक घंटे की तेज बारिश में ही दिल्ली पानी-पानी हो जाती है, तो दिन भर की बरसात में क्या हाल होगा, इसके दृश्य इन दिनों कई जगह देखने को मिल रहे हैं।राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश से एक बार फिर जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई प्रमुख सड़कें तालाब बन गईं, जिससे वाहनों की रफ्तार थम गई। महरौली-बदरपुर रोड से लेकर महिपालपुर, आइटीओ, शकरपुर और छतरपुर तक की सड़कें पानी में डूब गईं। खानपुर से ओखला मोड़ के बीच कई किलोमीटर तक गाड़ियां रेंगती नजर आईं।इस दौरान यात्री घंटों जाम में फंसे रहे। इसके अलावा कई इलाकों में घरों में पानी भर जाने से लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि सरकार की ओर से जो दावे किए जा रहे थे, उनका आधार क्या था? अगर जल-भराव की समस्या को खत्म करने के लिए प्रयास किए गए, तो उनका नतीजा जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा है? आखिर क्या वजह है कि बारिश के पानी की निकासी से जुड़ी योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है।गौरतलब है कि सरकार की ओर से हर साल बरसात शुरू होने से पहले सीवेज की नालियों और बड़े नालों की सफाई का जोर-शोर से अभियान शुरू किया जाता है। सवाल है कि क्या यह अभियान सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है? इसे कारगर तरीके से धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? शहर में बारिश के पानी की निकासी के माकूल बंदोबस्त क्यों नहीं हो पा रहे हैं?इसका एक कारण यह भी है कि दिल्ली में जल-भराव की समस्या से निपटने के मुद्दे पर काम कम और सियासत ज्यादा होती है।

गजब है रुस से भारत तक ट्रेन चलाने का प्रस्ताव, मोदी-पुतीन की रणनीति के कायल हो जाएंगे

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस-भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है।पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और समुद्री व्यापार मार्गों पर बढ़ते जोखिम के बीच रूस ने भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक नई दिशा देने वाला बड़ा प्रस्ताव सामने रखा है। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने मॉस्को से हिंद महासागर तक सीधे रेल संपर्क की संभावनाएं तलाशने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिमों को देखते हुए रूस और भारत के बीच वैकल्पिक जमीनी संपर्क विकसित करना जरूरी हो गया है। रूसी समाचार एजेंसी के हवाले से खुसनुलिन ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक पहुंचने वाले विकल्पों पर विचार किया जा सकता है और भारत तक पहुंच उपलब्ध कराने वाला कोई भी विकल्प स्वीकार्य होगा। देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस-भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है। खास तौर पर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया के संघर्ष ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि किसी एक समुद्री चोकपॉइंट पर अत्यधिक निर्भरता वैश्विक व्यापार के लिए कितनी बड़ी कमजोरी बन सकती है।

होर्मुज संकट ने बढ़ाई वैकल्पिक रास्ते की जरूरत – रूस के इस प्रस्ताव को समझने के लिए मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखना जरूरी है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव तेजी से बढ़ा। ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन कार्रवाइयों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात पर गंभीर असर पड़ा। रिपोर्टों के मुताबिक होर्मुज से होकर गुजरने वाला वैश्विक तेल व्यापार का करीब पांचवां हिस्सा प्रभावित हुआ। हम आपको बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इसी तरह तुर्किये के नियंत्रण वाला बोस्फोरस जलडमरूमध्य काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ता है। ऐसे समुद्री 'चोकपॉइंट' किसी भी संकट की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। यही वजह है कि मॉस्को अब समुद्री मार्गों के साथ-साथ वैकल्पिक स्थलीय व्यापार नेटवर्क विकसित करने पर जोर दे रहा है।

भारत इस योजना के केंद्र में क्यों? – इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने संभावित रेल मार्ग के अंतिम गंतव्य के रूप में भारत को विशेष महत्व दिया है। यह संयोग नहीं है। भारत और रूस पहले से ही इंटरनेशनल नार्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कारीडोर (आईएनएसटीसी) के प्रमुख साझेदार हैं। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह बहु-माध्यमीय कॉरिडोर रूस को ईरान और भारत से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें रेल, सड़क और समुद्री परिवहन का संयोजन शामिल है। मौजूदा व्यवस्था में रूस से आने वाला माल कजाखस्तान और तुर्कमेनिस्तान होते हुए ईरान पहुंच सकता है। वहां से रेल नेटवर्क के जरिए बंदर अब्बास जैसे बंदरगाहों तक और फिर समुद्री रास्ते से भारत भेजा जा सकता है। पूर्वी शाखा में कजाखस्तान-तुर्कमेनिस्तान-ईरान मार्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस लिहाज से रूसी उप प्रधानमंत्री खुसनुलिन का प्रस्ताव बिल्कुल शून्य से शुरू होने वाली परियोजना नहीं, बल्कि मौजूदा कनेक्टिविटी ढांचे को और आगे बढ़ाने की सोच है। लक्ष्य यह

हो सकता है कि आने वाले समय में रूस और भारत के बीच माल ढुलाई को ज्यादा तेज, भरोसेमंद और बहुविकल्पीय बनाया जाए। अभी 'मॉस्को से भारत' सीधी ट्रेन नहीं हालांकि इस खबर ने यात्रियों और रेलवे प्रेमियों की कल्पना को जरूर हवा दी है, लेकिन फिलहाल इसे मॉस्को से दिल्ली या मुंबई तक चलने वाली सीधी यात्री ट्रेन समझना जल्दबाजी होगी। अभी तक रूस या भारत की ओर से इस तरह की यात्री सेवा या पर्यटन केंद्रित ट्रेन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रूसी उप प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का मूल उद्देश्य फ्रेट, लॉजिस्टिक्स और रणनीतिक कनेक्टिविटी है। वैसे भी यात्री सेवा शुरू करने में कई व्यावहारिक अड़चनें होंगी जैसे कई देशों के वीजा, अलग-अलग रेल गेज, सीमा और सुरक्षा जांच, विभिन्न देशों के रेलवे के बीच समय-सारिणी का तालमेल तथा यात्री सुविधाओं का अभाव। लेकिन भविष्य की संभावना को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। यदि कॉरिडोर स्थिर, सुरक्षित और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनता है तो बाद में यात्री रेल सेवा की संभावना तलाशना संभव होगा। ऐसी ट्रेन यूरेशिया के विशाल भूभाग, मध्य एशिया और ऐतिहासिक सिल्क रूट के शहरों को जोड़ने वाली असाधारण यात्रा बन सकती है। भारत के लिए बड़ा रणनीतिक लाभ वैसे रूस के इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा फायदा भारत को कनेक्टिविटी की रणनीतिक विविधता के रूप में मिल सकता है। भारत की विदेश और आर्थिक नीति लंबे समय से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उसकी व्यापारिक आपूर्ति किसी एक मार्ग या एक देश पर निर्भर न रहे। इसलिए रूस से भारत तक मजबूत स्थलीय नेटवर्क बनने पर भारतीय कारोबारियों को रूसी बाजार तक पहुंच का एक वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इससे मशीनरी, ऊर्जा संसाधन, उर्वरक, धातु, कृषि उत्पाद और अन्य वस्तुओं की आवाजाही अधिक लचीली हो सकती है। दूसरा बड़ा लाभ समय और लागत का हो सकता है। आईएनएसटीसी का मूल उद्देश्य भी पारंपरिक समुद्री मार्गों की तुलना में माल परिवहन को तेज और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। पूर्ण रूप से विकसित नेटवर्क भारत-रूस व्यापार को नई गति दे सकता है। एक और सबसे महत्वपूर्ण लाभ ऊर्जा सुरक्षा है। होर्मुज जैसी किसी एक संवेदनशील समुद्री पट्टी पर निर्भरता कम होने से भारत वैश्विक संकटों के दौरान अपनी आपूर्ति श्रृंखला को ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकता है।

पाकिस्तान वाला रास्ता सबसे कठिन कड़ी – हालांकि प्रस्तावित मार्ग में पाकिस्तान का नाम आना इसे रणनीतिक रूप से बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण बनाता है। रूस ने संभावित विकल्पों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान का उल्लेख किया है। लेकिन भारत-पाकिस्तान संबंधों की मौजूदा जटिलताओं को देखते हुए इस रास्ते को तत्काल व्यवहार्य मानना कठिन होगा। यही कारण है कि भारत के लिए ईरान और मध्य एशिया के रास्ते विकसित होने वाले वैकल्पिक नेटवर्क अधिक व्यावहारिक महत्व रखते हैं।

चीन के लिए भी बदलता समीकरण – इस परियोजना का एक व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव चीन पर भी पड़ सकता है। चीन ने वर्षों से बेल्ट एण्ड रोड इनिटेविट के जरिए यूरेशिया में अपनी परिवहन और आर्थिक पहुंच बढ़ाई है। इसके मुकाबले भारत-रूस समर्थित आईएनएसटीसी और उससे जुड़े नए रेल नेटवर्क यूरेशिया में एक वैकल्पिक आर्थिक गलियारा मजबूत कर सकते हैं। भारत को इससे यह अवसर मिलेगा कि वह चीन केंद्रित कनेक्टिविटी मॉडल के समानांतर अपना प्रभाव क्षेत्र विकसित करे। मध्य एशिया, ईरान और रूस के साथ भारत के आर्थिक संबंधों को भी इससे मजबूती मिल सकती है। रूस-भारत की दोस्ती का नया आर्थिक अध्याय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रस्ताव भारत और रूस के रिश्तों को केवल रक्षा और ऊर्जा सहयोग तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें कनेक्टिविटी और व्यापार की नई धुरी पर ले जाता है। रूस के लिए भारत हिंद महासागर तक पहुंच का महत्वपूर्ण द्वार है, जबकि भारत के लिए रूस यूरेशिया के विशाल बाजार तक पहुंच का प्रमुख साझेदार है। इसलिए दोनों देशों के हित इस परियोजना में स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। देखा जाये तो बदलती दुनिया में समुद्री रास्तों पर जोखिम बढ़ रहे हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं लगातार नए झटकों का सामना कर रही हैं। ऐसे में रूस का मॉस्को से हिंद महासागर तक रेल संपर्क का विचार भले ही अभी शुरुआती चरण में हो, लेकिन इसकी रणनीतिक दिशा बेहद स्पष्ट है। यानि व्यापार के लिए सिर्फ एक रास्ते पर निर्भर मत रहिए, विकल्पों का ऐसा नेटवर्क तैयार कीजिए जिसे संकट भी आसानी से बाधित न कर सके। बहरहाल, भारत के लिए यह सिर्फ रूस तक पहुंचने वाली रेल लाइन नहीं होगी। यह यूरेशिया से हिंद महासागर तक भारत की रणनीतिक पहुंच, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक स्वायत्तता और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाला संभावित नया गलियारा बन सकती है। और अगर भारत-रूस की पुरानी मित्रता इस परियोजना को राजनीतिक इच्छाशक्ति और आर्थिक निवेश का आधार देती है, तो आने वाले वर्षों में यह कॉरिडोर एशिया की बदलती भू-आर्थिक तस्वीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या 'इस्लामिक नाटो' से भारत की कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ेंगी? ˙ अमेरिका व चीन की कोई परोक्ष चाल तो नहीं?

(कमलेश पांडे)

पाकिस्तान को नया रणनीतिक ऑक्सीजन मिल सकता है- पाकिस्तान के पास परमाणु क्षमता, तुर्किये के पास मजबूत रक्षा उद्योग/सैन्य क्षमता और सऊदी अरब के पास वित्तीय व ऊर्जा शक्ति है। इन तीनों का संयोजन पाकिस्तान को भारत के मुकाबले कूटनीतिक और सैन्य दबाव बनाने के नए साधन दे सकता है। एशिया में ईरान और रूस के दांवपेंच से निपटने के लिए या फिर अमेरिका और चीन की शह पर पहले पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच और अब तुर्किये के साथ भी मक्का में जो रक्षा समझौते हुए हैं, उसके दृष्टिगत भारतवासियों के दिलोदिमाग में बस एक ही सवाल कौंध रहा है कि क्या कथित 'इस्लामिक नाटो' से भारत की कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ेंगी? क्या इससे निपटने में रूस-ईरान से रक्षा सम्बन्धों को और मजबूती दी जानी चाहिए? या फिर अमेरिका या चीन या फिर दोनों के इशारे पर हुए इस गठबंधन के पीछे कोई परोक्ष चाल तो नहीं है? तो जवाब होगा कि हाँ–भारत की कूटनीतिक चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं, लेकिन इसे अभी सीधे-सीधे 'इस्लामिक नाटो' कहना जल्दबाजी होगी। दरअसल, गत 7 अगस्त 2026 को मक्का में सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने एक संयुक्त रक्षा समझौता किया है, जिसमें एक पर सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यह पहले के सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते का विस्तार है। लिहाजा भारत के लिए असली चिंता यह है कि- पहली, पाकिस्तान को नया रणनीतिक ऑक्सीजन मिल सकता है- पाकिस्तान के पास परमाणु क्षमता, तुर्किये के पास मजबूत रक्षा उद्योग/सैन्य क्षमता और सऊदी अरब के पास वित्तीय व ऊर्जा शक्ति है। इन तीनों का संयोजन पाकिस्तान को भारत के मुकाबले कूटनीतिक और सैन्य दबाव बनाने के नए साधन दे सकता है। दूसरा, तुर्किये का शामिल होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है- भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान तुर्किये ने कई बार इस्लामाबाद के पक्ष में राजनीतिक रुख अपनाया है। अब यदि वह किसी औपचारिक सामूहिक रक्षा व्यवस्था का हिस्सा है, तो भविष्य के भारत-पाकिस्तान संकट में उसका वजन और बढ़ सकता है। तीसरा, सऊदी अरब को पाकिस्तान का स्थायी सैन्य सहयोगी मान लेना भी गलत होगा- रियाद के भारत के साथ बड़े आर्थिक, ऊर्जा और रणनीतिक हित हैं। इसलिए सऊदी नेतृत्व के लिए पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग और भारत के साथ रणनीतिक संबंध–दोनों को साथ लेकर चलना संभवतः अधिक उपयोगी है।

क्या इसके पीछे रूस विरोधी अमेरिका की चाल हो सकती है? – जवाब- संभावना को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन अभी इसका प्रमाण नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि जनवरी 2026 में ही रणनीतिक विश्लेषण में यह कहा जा रहा था कि तुर्किये इस तरह के गठबंधन का इस्तेमाल नाटो के भीतर अपनी बार्गेनिंग पावर बढ़ाने और हेजिंग के लिए कर सकता है। चूंकि अमेरिका के लिए ऐसा ढांचा कुछ परिस्थितियों में उपयोगी भी हो सकता है, क्योंकि ईरान के विरुद्ध क्षेत्रीय डिटिरेंशन बढ़ाना, पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बोझ कम करना, सऊदी सुरक्षा को वैकल्पिक रूप से मजबूत करना, तुर्किये को पश्चिमी सुरक्षा ढांचे से पूरी तरह दूर जाने से रोकना और पाकिस्तान को चीन के पूर्ण प्रभाव में जाने से रोकना उसका असली मकसद है। इसलिए इसे अमेरिका के खिलाफ गठबंधन मानना उतना ही गलत होगा जितना इसे निश्चित रूप से अमेरिकी परियोजना मान लेना। सुलगता सवाल- और जहाँ तक चीन की बात है? यहाँ मामला और दिलचस्प है। जवाब- चीन के पाकिस्तान के साथ अत्यंत गहरे रक्षा संबंध हैं और सऊदी अरब के साथ उसके आर्थिक संबंध लगातार बढ़े हैं। यदि यह त्रिकोण आगे चलकर विस्तृत होता है, तो बीजिंग को पश्चिम एशिया-पाकिस्तान हिंद महासागर के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। लेकिन चीन के लिए भी समस्या है- सऊदी अरब अमेरिका से पूरी तरह अलग नहीं होना चाहता और तुर्किये नाटो का सदस्य है। इसलिए इसे अभी चीन-नेतृत्व वाला गठबंधन कहना वास्तविकता से आगे निकलना होगा।

आखिर भारत को किस बात से सबसे ज्यादा सावधान रहना चाहिए? – मेरे आकलन में 'इस्लामिक नाटो' शब्द से ज्यादा महत्वपूर्ण इसके संभावित नेटवर्क प्रभाव हैं। यदि भविष्य में इसमें कतर, अजरबैजान, मिस्र या अन्य मुस्लिम-बहुल देश किसी रूप में जुड़ते हैं, तो तस्वीर बदल सकती है। मई में पाकिस्तान की ओर से तुर्किये और कतर के संभावित जुड़ाव की बात भी सामने आई थी। तब भारत को तीन मोर्चों पर चुनौती मिल सकती है- पश्चिम एशिया पाकिस्तान ? तुर्किये, यानी पाकिस्तान को पहली बार भारत के विरुद्ध केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि बहु-देशीय कूटनीतिक समर्थन तंत्र बनाने का अवसर मिल सकता है।

लेकिन भारत की स्थिति भी कमजोर नहीं है, क्योंकि भारत को प्रतिक्रिया में किसी एंटी इस्लामिक ब्लाक में जाने की जरूरत नहीं है।

पराया धन नहीं, परिवार का आधार- बेटियों को लेकर कैसे बदल रही है भारत की सोच?

आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। खेल के मैदान से लेकर अंतरिक्ष तक, कारपोरेट के बोर्डरूम से लेकर सीमा की सुरक्षा तक हर जगह बेटियों ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। ओलंपिक पदकों से लेकर सिविल सेवाओं तक, जब माता-पिता हर जगह बेटियों का परचम लहराते देखते हैं, तो उनका गर्व से सिर ऊंचा हो जाता है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिले, तो बेटियां आसमान छू सकती हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में लड़कों से कम नहीं हैं।

(रचना सिद्धा)

नागौर में बेटी का 'पाग दस्तूर' और कारा रिपोर्ट में गोद लेने की 8त बढ़ोतरी बदलती सामाजिक सोच का प्रमाण है। बेटियां अब बोझ नहीं, हर क्षेत्र में सफलता और बुढ़ापे का सहारा बनकर देश का मान बढ़ा रही हैं। कुछ समय पहले राजस्थान के नागौर जिले के सुरियास गांव में पहली बार एक बेटी का 'पाग दस्तूर' किया गया। राजस्थान की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में पिता के निधन के बाद परिवार के बड़े बेटे को परिवार का उत्तराधिकारी घोषित किया जाता है। इसी को 'पाग दस्तूर' कहते हैं। अगर परिवार में पुत्र नहीं होता, तो कई परिवार दत्तक पुत्र लेकर यह रस्म निभाते हैं।पंद्रह जुलाई को सुरियास गांव के कान सिंह राठौड़ का बीमारी से निधन हो गया। उनके परिवार में एकमात्र संतान उनकी दस वर्षीय बेटी है। बारहवें की रस्म के बाद किसी निकट संबंधी को दत्तक लेकर 'पाग दस्तूर' कराने की चर्चा चल रही थी। मगर कान सिंह की माता और पत्नी ने साफ शब्दों में कहा कि क्योंकि उनकी एकमात्र संतान पुत्री है, इसलिए उसका ही 'पाग दस्तूर' किया जाएगा।

इस बदलाव से परिवार ने पुरानी परंपरा को नया स्वरूप देते हुए मजबूत संदेश दिया है कि परिवार की पहचान और सम्मान केवल बेटे से नहीं, बल्कि बेटी से भी आगे बढ़ सकता है। गांव के लोगों का भी कहना है कि इस निर्णय ने वर्षों की सामाजिक सोच में बदलाव ला दिया है जो बेटियों को बराबरी का अधिकार और सम्मान देने का संदेश देता है।पिछले कुछ वर्षों में लड़कियों को गोद लेने का चलन बढ़ा है।

इस बात की पुष्टि करती हाल ही में जारी 'सेंट्रल अडाप्शन रिसोर्स अथारिटी' की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वर्ष के मुकाबले वर्ष 2025-26 में लड़कियों को गोद लेने वालों की संख्या में आठ फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वह समय बीत गया, जब बेटियों को बोझ माना जाता था और बेटों को परिवार का सम्मान।

तब बेटियां पराया धन मानी जाती थी और बेटे को वंश को आगे बढ़ाने वाला और बुढ़ापे का सहारा बनने वाला कहा जाता था। यहां तक कि अंतिम संस्कार बेटों के हाथों से होने पर मुक्ति मिलने की सोच हमारी मानसिकता पर हावी थी। इसी मानसिकता के प्रभाव में हमने सदियों तक लड़कियों को दोयम दर्जे का नागरिक बना कर रखा।

सदियों से भारतीय समाज में पुत्र मोह एक कड़वी सच्चाई बन कर हमारे साथ रहा है। मगर आज हवा का रुख बदल रहा है। आधुनिक भारत में यह एक नया और सुखद बदलाव दिखाई दे रहा है। न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में समाज की सोच में तेजी से बदलाव आ रहा है। पहले जहां बेटों को प्राथमिकता दी जाती थी वहीं अब बेटियों के प्रति झुकाव बढ़ रहा है।

एक विश्लेषण के मुताबिक 1980 से अब तक करीब पांच करोड़ बेटियां जन्म से पहले ही खत्म कर दी गईं। यह आंकड़ा अब तेजी से घट रहा है। विश्लेषण के मुताबिक 2001 से अब तक 70 लाख बेटियां बचाई गई हैं। चीन, भारत और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में लिंगानुपात तेजी से सामान्य होता जा रहा है। माता पिता अब बेटियों को ज्यादा समझदार, संवेदनशील और कम चुनौतीपूर्ण मानने लगे हैं।

कई देशों में अब यह धारणा भी जोर पकड़ती जा रही है कि बेटियां बुजुर्ग माता-पिता की बेहतर देखभाल करती हैं। यह सोच भारत में भी तेजी से बढ़ रही है और शायद यही कारण है कि अब एक संतान बेटी हो जाने के बाद भी दंपति लड़के के लिए दूसरी संतान के बारे में नहीं सोचते। यह समाज की सोच में आया एक सकारात्मक बदलाव नहीं, बल्कि सोच की उस संकीर्णता पर भी करारी चोट है जिसने लंबे समय तक बेटियों को 'पराया धन' मान कर हाशिये पर रखा। इस सकारात्मक बदलाव के पीछे कई अहम कारण हैं, जिसने लोगों की मानसिकता को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। खेल के मैदान से लेकर अंतरिक्ष तक, कारपोरेट के बोर्डरूम से लेकर सीमा की सुरक्षा तक हर जगह बेटियों ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। ओलंपिक पदकों से लेकर सिविल सेवाओं तक, जब माता-पिता हर जगह बेटियों का परचम लहराते देखते हैं, तो उनका गर्व से सिर ऊंचा हो जाता है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिले, तो बेटियां आसमान छू सकती हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में लड़कों से कम नहीं हैं। उनकी सफलता ने समाज की पुरानी धारणाओं को तोड़ते हुए बेटियों के प्रति सम्मान और भरोसे को मजबूत किया है।

अक्सर देखा जाता है कि बेटियां शादी के बाद भी अपने माता-पिता के प्रति उतनी ही संवेदनशील और जिम्मेदार रहती हैं, जितना कि शादी से पहले थीं। बुढ़ापे में माता-पिता की देखभाल करने और उनका भावनात्मक सहारा बनने में बेटियां किसी से कम साबित नहीं हो रही हैं। समाज में अब यह बात गहराई से महसूस की जाने लगी है कि बेटा केवल एक कुल का नाम आगे बढ़ाता है, लेकिन बेटी दो-दो परिवारों को रोशन करती है।

साक्षरता दर में वृद्धि और कानून के प्रति बढ़ती जागरूकता ने भी इस बदलाव की नींव रखी है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे सरकारी अभियानों, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ सख्त कानून और संपत्ति में बेटियों के समान अधिकार जैसे विधायी कदमों ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि बेटा और बेटी दोनों बराबर हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं ने भी इस बदलाव में अहम भूमिका निभाई है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का कार्य किया है। कई राज्यों में कन्या जन्म पर आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति, निशुल्क शिक्षा तथा उच्च शिक्षा के लिए विशेष प्रोत्साहन जैसी योजनाओं ने परिवारों को बेटियों के भविष्य के प्रति आश्वस्त किया है।

आजकल के छोटे या एकल परिवारों में माता-पिता लिंग भेद से परे जाकर केवल एक या दो बच्चों की परवरिश पर ध्यान दे रहे हैं। अब लोग इस बात से पूरी तरह बेफिक्र हैं कि उनका इकलौता बच्चा बेटा है या बेटी। वे बेटी की परवरिश भी उसी लाड़-प्यार, शिक्षा और संसाधनों के साथ कर रहे हैं जो कभी सिर्फ बेटों का हक समझा जाता था।

इस यात्रा को पूरा होने में अभी कुछ वक्त लगेगा। न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेटियों को लेकर जो स्वीकार्यता और ललक बढ़ी है, वह उम्मीद जगाने वाली है। हालांकि देश के दूरदराज इलाकों में आज भी कुछ कुरीतियां और भेदभाव के अंश बाकी हैं।

कुछ क्षेत्रों में अब भी लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह और शिक्षा से वंचित कर दिए जाने जैसी समस्याएं मौजूद हैं। बदलाव के लिए जो हमारी गति है, उससे मंजिल बहुत दूर नहीं लगती। जब समाज बेटियों को बोझ नहीं, बल्कि एक वरदान के रूप में देखने लगता है, तब केवल एक परिवार और समाज का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का उत्थान होता है। इसलिए बेटियों को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। बेटियों की बढ़ती चाह एक समृद्ध, समतावादी और संवेदनशील भारत के निर्माण का सबसे सशक्त प्रतीक है।

हल्द्वानी घटना के विरोध में बीजापुर में कांग्रेस का प्रदर्शन, कांग्रेस भवन से अंबेडकर प्रतिमा तक निकाली रैली, विक्रम मंडावी बोले- लोकतंत्र में ऐसी सोच स्वीकार्य नहीं

बीजापुर। हल्द्वानी में कांग्रेस रैली स्थल पर गंगाजल से कथित 'शुद्धिकरण' किए जाने के विरोध में शुक्रवार को बीजापुर जिला कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस भवन से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक रैली निकाली गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा और आरएसएस से जुड़े हिंदू राइट विंग संगठनों के खिलाफ नारेबाजी कर घटना का विरोध किया। कांग्रेस ने इस घटना को लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक समानता के मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद इस तरह की सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

मंडावी ने जताई कड़ी आपत्ति-बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने घटना को स्तब्धकारी और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी के बाद रैली स्थल को 'अपवित्र' मानकर गंगाजल से शुद्धिकरण किया जाना लोकतांत्रिक भारत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ हर नागरिक को आवाज उठानी चाहिए।

राठौर बोले- संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार-जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि हल्द्वानी की घटना भाजपा की भेदभावपूर्ण और प्रतिगामी मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह केवल कांग्रेस अध्यक्ष का अपमान नहीं, बल्कि समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय जैसे संवैधानिक मूल्यों पर भी प्रहार है। संविधान में भेदभावपूर्ण प्रथाओं और संकीर्ण मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं है।

ये रहे मौजूद-प्रदर्शन में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, प्रवीण डोंगरे, पुरुषोत्तम सल्लूर, पुरुषोत्तम खत्री, कलाम खान, टी. हेमंत, दिनेश पुजारी, राजकुमार गुप्ता, संतोष गुप्ता, श्यामू गुप्ता, महिला कांग्रेस अध्यक्ष गीता कमल, शेख रजिया, संजना चौहान, पार्षद बबीता झाड़ी, ललिता झाड़ी, एजाज सिद्दीकी, राजू गांधी, बाबूलाल राठी, अरुण वासम, इद्रीश खान, राम कुमार दुर्गम, विजय पालशाह मंडावी, बलराम कोरसा, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, सुशीला नाग, विजय कुडियम और कल्याण सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व आम लोग शामिल रहे।

कांग्रेस का आरोप-कांग्रेस नेताओं के अनुसार हल्द्वानी में कांग्रेस रैली स्थल पर गंगाजल से किए गए कथित 'शुद्धिकरण' के विरोध में देशभर में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। बीजापुर में भी इसी क्रम में रैली निकालकर घटना के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया।

सीआईएसएफजवानों को साइबर ठगी के नए तरीकों से किया जागरूक, थाना प्रभारी घरघोड़ा ने बताए बचाव के उपाय

फर्जी केवाईसी से लेकर डिजिटल अरेस्ट तक, साइबर फ्रॉड के नए तरीकों की दी जानकारी

रायगढ़। साइबर अपराधों से बचाव को लेकर रायगढ़ पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना घरघोड़ा क्षेत्र अंतर्गत तिलाईपाली स्थित सीआईएसएफकैंप में घरघोड़ा पुलिस द्वारा कल साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीआईएसएफकंपनी के अधिकारियों एवं जवानों को वर्तमान में सामने आ रहे साइबर फ्रॉड के नए तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू ने बताया कि आज तकनीक का उपयोग हमारी दैनिक जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई ऑनलाइन शॉपिंग, सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधी भी ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि साइबर ठगी में अपराधी अक्सर बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, बिजली विभाग, कूरियर कंपनी, रिश्तेदार या परिचित बनकर फोन करते हैं और डर या लालच पैदा कर लोगों से गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में फर्जी केवाईसी अपडेट, बैंक खाता बंद होने का झांसा, बिजली कनेक्शन काटने की धमकी, फर्जी कूरियर पार्सल, व्स्ध्ऑनलाइन खरीद-बिक्री के नाम पर ठगी, फर्जी निवेश एवं ट्रेडिंग एप, क्यूआर कोड और यूपीआई फ्रॉड, फर्जी लोन एप, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, ओटीपी एवं स्क्रीन शेयरिंग के जरिए ठगी के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। जवानों को समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंक पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। यूपीआई पीन पैसा प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि भुगतान करने के लिए दर्ज किया जाता है, इसलिए किसी के कहने पर पैसे प्राप्त करने के नाम पर यूपीआई पीन डालने से बचना चाहिए। अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे 'डिजिटल अरेस्ट' के संबंध में भी जवानों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। बताया गया कि अपराधी वीडियो कॉल पर पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बनकर लोगों को किसी अपराध में फंसाने की धमकी देते हैं और गिरफ्तारी का भय दिखाकर पैसे ट्रांसफर करवाते हैं। पुलिस या कोई सरकारी जांच एजेंसी वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट कर बैंक खाते में पैसे जमा कराने का निर्देश नहीं देती। ऐसे किसी कॉल पर घबराने के बजाय तत्काल कॉल काटकर संबंधित विभाग से आधिकारिक माध्यम से संपर्क करना चाहिए। इसी तरह फर्जी लिंक और फाइल से होने वाली ठगी से बचाव के लिए बताया गया कि मोबाइल पर आए किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ेजि।चच या अन्य माध्यम से प्राप्त संदिग्ध फाइल को इंस्टॉल न करें। साइबर अपराधी ऐसी फाइलों के जरिए मोबाइल का नियंत्रण हासिल कर बैंकिंग एवं निजी जानकारी तक पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने, निजी फोटो-वीडियो साझा करने और संदिग्ध वेबसाइटों पर व्यक्तिगत जानकारी दर्ज करने से भी सावधान रहने की सलाह दी गई।

केशरवानी भवन में भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ शिव महापुराण एवं रूद्राभिषेक, कथा वाचकपवन कुमार महाराज सुनाएंगे 4 दिवसीय कथा

भटगांव। सावन माह में शिवभक्ति से सराबोर नगर भटगांव के केशरवानी भवन में गुरूवार को शिव महापुराण एवं रूद्राभिषेक का भव्य आयोजन प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। जहां बम-बम भोले और ओम नमः शिवाय के जयकारों से पूरा नगर शिवमय हो गया। कलश यात्रा नगर के केशरवानी भवन से निकल कर शनि चौक, गांधी चौक, शीतला चौक से नगर भ्रमण करते हुए पुनः केशरवानी भवन पहुंचकर संपन्न हुई। वही सुबह वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन के बाद केशरवानी भवन से कलश यात्रा शुरू हुई। इस यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने पीले-केसरिया वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश रखे। जहां यात्रा में आगे-आगे किर्तन मंडली भजन किर्तन करते हुए पुनः केशरवानी भवन पहुंची। वहीं इस 4 दिवसीय कथा के कथा वाचक पवन कुमार महाराज, धर्म प्रचार मंत्री, प्रयागराज हैं। महाराज प्रतिदिन श्रद्धालुओं को शिव महापुराण की कथा श्रवण कराएंगे। कथा में भगवान शिव के जीवन चरित्र, विवाह, तांडव और मोक्ष के प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। कथा में आचार्य पंडित अनुराग दुबे एवं पंडित पवन दुबे द्वारा प्रतिदिन प्रात रूद्राभिषेक एवं विशेष पूजन संपन्न कराया जाएगा। कथा वाचक महाराज ने पहले दिन की कथा में कहा सावन में शिव की आराधना करने से सभी कष्ट दूर होते हैं। शिव महापुराण सुनने से मनुष्य को ज्ञान, शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। जहां कलश यात्रा और कथा के पहले दिन सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी और सिर पर कलश लेकर पूरे उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया। वहीं एक श्रद्धालु ने कहा इतने बड़े संत के मुख से कथा सुनने का अवसर मिल रहा है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। वहीं केशरवानी भवन में शुरू हुआ यह आयोजन भटगांव नगर के लिए आस्था और एकता का प्रतीक बन गया है। आयोजकों ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का लाभ उठाएं। जहां कलश यात्रा के साथ साथ पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रवेश कार्यक्रम में केशरवानी समाज के पदाधिकारी, नगर के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विद्यालय जामकोटपारा के विद्यार्थियों ने 29वीं वाहिनी कोंडागांव के जवानों को बांधा रक्षा सूत्र

कोण्डागांव। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामकोटपारा, कोंडागांव के छात्र-छात्राओं ने प्ज्छच् 29वीं वाहिनी कैंप पहुंचकर अपने घर-परिवार से दूर देश की सुरक्षा में तैनात वीर जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधा और उनकी दीर्घायु की कामना की, जिस पर जवानो ने भी बच्चों को आशीर्वाद व उपहार देकर सदैव सुरक्षा का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या रूबी भट्टाचार्य ने संदेश देते हुए कहा, ष्हमारे विद्यार्थियों का देश के रक्षकों के साथ रक्षाबंधन मनाना उनमें देशभक्ति, कृतज्ञता और सामाजिक दायित्व की भावना को सुदृढ़ करता है; हमारे जवानों का निस्वार्थ त्याग ही पूरे देश को सुरक्षित रखता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों की भागीदारी रही है।

हरेली पर्व पर सुकुलपारा मुक्तिधाम परिसर में हुआ 'पंचवटी' का रोपण, अपने दिवंगत परिजनों को दी श्रद्धांजलि

वयोवृद्ध रामनाथ ध्रुव के नेतृत्व में पंचवटी रोपित किया गया उनका नारा है एक पेड़ पूर्वजो के नाम

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के लोक पर्व हरेली के शुभ अवसर पर सुकुलपारा मुक्तिधाम के पास पर्यावरण संरक्षण और पूर्वजों की स्मृति को समर्पित विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर धार्मिक व प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण 'पंचवटी' वृक्षों का रोपण कर दिवंगत परिवारजनों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर में आंवला, बड़ (बरगद), पीपल, अशोक एवं बेल के पौधों का रोपण किया गया। सनातन संस्कृति और आयुर्वेद में इन पाँचों वृक्षों का विशेष महत्व माना गया है। पौधरोपण के पश्चात दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति हेतु मौन धारण कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि हरेली त्यौहार प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है। अपने पूर्वजों की पावन स्मृति में वृक्षारोपण करना न केवल उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण तैयार करने का एक संकल्प भी है। कार्यक्रम के समापन पर रोपे गए सभी पंचवटी पौधों की उचित देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया गया, ताकि ये पौधे वृक्ष बनकर क्षेत्र को छाया, शुद्ध वायु और हरियाली प्रदान कर सकें। पोते आंजनेय धर दीवान द्वारा अपने दादा स्व. प्रकाश धर दीवान और स्व. प्रशांत धर दीवान की स्मृति में वृक्षारोपण कर उन्हें सदा सदा के लिए लोगो के बीच श्रधांजलि अर्पित किया। रामनाथ ध्रुव ने कहा कि ये वृक्षारोपण का मुख्य कारण है कि हम तो अपना पूरा जीवन अच्छे से जी लिए आने वाली पीढ़ी को हरियाली, ऑक्सीजन और छाया मिलेगा और अपने पूर्वजों के नाम से यह वृक्ष लगाया गया है और भी आगामी समय मे पूर्वजो की याद में हमारी टीम वृक्ष लगाते रहेगी।

हरेली पर वृक्षारोपण के अवसर पर रामनाथ ध्रुव, बलराम सोनकर, भूषणधर दीवान, दिलहरण सोनकर, राजेन्द्र ध्रुव, सृजन धर दीवान गोलू साहू, तनु दीवान, रूपेश धर दीवान, दीपक ध्रुव, शुभम धर दीवान, आदित्य सोनकर, प्रिंस सोनकर, आंजनेय धर दीवान सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार को कुचला, मौके पर मौत

रायगढ़। रायगढ़ जिले के छाल थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगाभोना निवासी जगरसाय राठिया (63 वर्ष) किसी काम से बर्रा गया था। काम निपटाने के बाद वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 13 बीई 3641 से वापस गांव लौट रहा था। वह अपने गांव पहुंचने ही वाला था, तभी रास्ते में दोपहर करीब 1:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जगरसाय राठिया ट्रक की चपेट में आ गया।

करेंगुट्टा पहाड़ी पर लहराया तिरंगा, 600 किमी की बस्तर तिरंगा यात्रा का समापन

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बोले- मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन, शहीदों की स्मृति में किया पौधारोपण

बीजापुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे करेंगुट्टा की पहाड़ी पर शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा फहराया गया। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने ध्वजारोहण कर तीन दिवसीय बस्तर तिरंगा यात्रा का समापन किया। इस दौरान वन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप सहित सुरक्षा बल के जवान मौजूद रहे। यात्रा के अंतिम दिन बीजापुर से बाइक रैली निकली, जो आवापल्ली, गलगम, उसूर, नम्बी और ताड़पाला होते हुए करेंगुट्टा पहुंची। तीन दिनों में नारायणपुर, कोंडागांव, सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर से होकर करीब 600 किलोमीटर की यात्रा पूरी की गई।करेगुट्टा पहुंचने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जवानों से मुलाकात की। शहीद जवानों की स्मृति में पौधारोपण करने के बाद पहाड़ी पर तिरंगा फहराया। शर्मा ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। नक्सलियों के सबसे सुरक्षित गढ़ रहे स्थान पर जवानों के साथ तिरंगा फहराना गौरव का विषय है।उन्होंने कहा कि बस्तर की जनता और जवानों का अदम्य पराक्रम जीता है और नक्सलवाद हारा है। बस्तर में नक्सलवाद के सफाए का संकल्प साकार हो रहा है।शर्मा ने कहा कि लोग मानते हैं कि मंत्री जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए कैंप में जाते हैं, लेकिन वे जवानों से ऊर्जा लेने आते हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के 141 पुलिस जवानों को विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया है।उन्होंने कहा कि बस्तर के लोगों के मन में भय काफी हद तक खत्म हो चुका है। तिरंगा यात्रा ने बचे हुए भय और भ्रम को दूर करने का काम किया है।

बस्तर में विकास के कई काम बाकी हैं और आगे विकास स्थानीय जरूरतों के अनुरूप किया जाएगा।वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि करेंगुट्टा की पहाड़ी पर इस तरह बिना डर के खड़े हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि यात्रा जिन रास्तों से गुजरी, वहां कभी दिन में भी लोग जाने से डरते थे। आज ग्रामीण तिरंगा लेकर यात्रा का स्वागत कर रहे हैं।बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि करीब 600 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक अवसर है। आजादी के 79 वर्ष बाद पहली बार इन क्षेत्रों में तिरंगा सम्मान और शान के साथ लहरा रहा है। तिरंगा शांति, बलिदान, हरियाली और पराक्रम का संदेश देता है।यात्रा के दौरान आवापल्ली, गलगम, उसूर, नम्बी, ताड़पाला और करेंगुट्टा में शहीदों की स्मृति में पौधारोपण किया गया। शहीदों की शहादत की मिट्टी भी संग्रहित की गई। मंत्रियों और सांसद ने शहीद परिवारों तथा ग्रामीणों से मुलाकात की। मार्ग में बच्चों और ग्रामीणों ने भारत माता की जय और तिरंगे की जय के नारे लगाकर यात्रा का स्वागत किया।यात्रा के दूसरे दिन रात करीब 9 बजे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप टेकलगुडेम पहुंचे। कभी घोर नक्सल प्रभावित रहे इस क्षेत्र में ग्रामीण तिरंगा लेकर स्वागत के लिए पहुंचे।

प्रकाश विद्यालय में निकाली गई तिरंगा रैली देशभक्ति के नारों से गूंजा विद्यालय परिसर

किरंदुल। किरंदुल स्थित प्रकाश विद्यालय के नौनिहालों ने हम भी अग्नि हैं के संकल्प के साथ भव्य स्वतंत्रता रैली निकाली और वीर शहीदों को नमन किया।रैली की शुरुआत विद्यालय प्रांगण से हुई। बच्चों ने तिरंगा धारण कर अनुशासित कतारों में मार्च किया।हर हाथ में तिरंगा और हर धड़कन में देशप्रेम की गूंज थी।बच्चों ने जोश भरे स्वरों में नारे लगाए – भारत माता की जय, वंदे मातरम, लहू हमारा देश के लिए बहता है, – जिससे पूरा विद्यालय परिसर गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में प्राचार्य दिलीप देशमुख, उपप्राचार्य टी. मैथ्यू, सिस्टर मार्गरेट सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर बच्चों ने देश के वीर सपूतों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वेश धारण कर उन्हें याद किया। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और नारों ने माहौल को और भी प्रेरणादायी बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टोरेट एवं कम्पोजिट बिल्डिंग में ध्वजारोहण

बिलासपुर। कलेक्टोरेट बिलासपुर एवं नए तथा पुराने कम्पोजिट बिल्डिंग में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। इसके पश्चात् कलेक्टोरेट परिसर में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मूर्ति पर कलेक्टर ने माल्यार्पण किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी और जिला कार्यालय एवं दोनों कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण

बिलासपुर। संभागायुक्त कार्यालय में कमिश्नर श्री सुनील जैन ने आज स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर ध्वजारोहण किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात् राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' की प्रस्तुति समाज कल्याण विभाग के सदस्यों द्वारा दी गई। संभाग आयुक्त श्री जैन ने सभी को स्वंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आजादी दिलाने वाले वीर शहीदों का स्मरण किया। इस मौके पर संभाग कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित संभागायुक्त कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। कमिश्नर ने अपने निवास कार्यालय में भी ध्वजारोहण किया गया।

एसईसीएल मानिकपुर खदान विस्तार को लेकर बढ़ा विवाद, 21 अगस्त की जनसुनवाई रद्द करने की मांग

कोरबा। एसईसीएल की मानिकपुर ओपन कास्ट खदान विस्तार परियोजना को लेकर प्रभावित ग्रामीणों और प्रबंधन के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। भू-विस्थापित संगठन मानिकपुर ने 21 अगस्त को प्रस्तावित पर्यावरण जनसुनवाई को रद्द करने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर 8 प्रभावित गांवों के करीब 2 से 3 हजार महिला-पुरुष ग्रामीण जनसुनवाई स्थल पर पहुंचकर विरोध करेंगे। भू-विस्थापितों का आरोप है कि खदान के लिए दशकों पहले जमीन देने के बावजूद करीब 200 से 250 किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि एसईसीएल द्वारा गोद लिए गए 7-8 गांवों में सड़क, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान विस्तार और उत्पादन को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि पुराने विस्थापन और पुनर्वास से जुड़े मुद्दे अब तक लंबित हैं। भू-विस्थापित संगठन ने प्रभावित गांवों के युवाओं के लिए 400 से 500 पदों पर नियमित और स्थायी रोजगार देने की मांग की है। इसके अलावा भिलाई खुर्द-1, 2 और 3 में बचे मकानों एवं जमीनों का दोबारा पारदर्शी तरीके से भौतिक सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन कराने की मांग भी रखी गई है। ग्रामीणों ने रापाखरा के विस्थापितों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने और आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं दादर खुर्द के तालाब को गांव की निस्तारी का प्रमुख जलस्रोत बताते हुए वहां ओबी डंपिंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। ग्रामीण अमन पटेल ने आरोप लगाया कि एसईसीएल प्रबंधन 21 अगस्त को पर्यावरण जनसुनवाई कराने जा रहा है, लेकिन प्रभावित गांवों के लोगों को इसकी पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई। उनके मुताबिक करीब 15-20 दिन पहले अधिकारियों के साथ चर्चा में कहा गया था कि जनसुनवाई की सूचना मिलने पर ग्रामीणों को अवगत कराया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने मुआवजे, रोजगार, पुनर्वास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों का समाधान होने तक मानिकपुर खदान विस्तार की जनसुनवाई नहीं होने दी जाएगी। अब 21 अगस्त को प्रस्तावित जनसुनवाई को लेकर प्रशासन,एसईसीएल प्रबंधन और प्रभावित ग्रामीणों के बीच टकराव की स्थिति बनने की आशंका है।

एचटीपीपी की राखड़ पाइपलाइन फटी, लाखों गैलन राखड़युक्त पानी बहने का दावा, नदी-नालों के प्रदूषण होने का खतरा

कोरबा । औद्योगिक नगरी कोरबा स्थित हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीपी) से जुड़ी राखड़ प्रबंधन व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि संयंत्र से नवागांव-झाबु स्थित राखड़ बांध की ओर जाने वाली मुख्य राखड़ पाइपलाइन अचानक बीच रास्ते में फट गई। पाइपलाइन फटने के बाद तेज दबाव के साथ बड़ी मात्रा में राखड़युक्त पानी और गाद बाहर निकलने की बात सामने आई है। पाइपलाइन में खराबी के बाद राखड़युक्त पानी और गाद आसपास के क्षेत्र में फैल गया। इससे मौके पर मटमैला मलबा जमा हो गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक राखड़ बांध की ओर जाने वाली पाइपलाइन में इस तरह की घटना से आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पाइपलाइन से निकला राखड़युक्त पानी स्थानीय नदी-नालों और बरसाती नालियों में जा मिला है। इससे पानी का रंग मटमैला होने की बात कही जा रही है। लोगों ने आशंका जताई है कि यदि राखड़युक्त पानी जलस्रोतों में पहुंचा है तो इससे जलीय जीवों और आसपास के पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने किया ध्वजारोहण

गरिमामय माहौल में मनाया गया 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

- नक्सल हिंसा में शहीद जवानों के परिजनों का सम्मान, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र
- तिरंगा शपथ के साथ लिया नशामुक्त समाज का संकल्प, देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बिलासपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज बिलासपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने ध्वजारोहण किया। आजादी का पर्व गरिमामय और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पांडे, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता संतोष कश्यप, संभागायुक्त श्री सुनील जैन, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, सीसीएफ श्री मनोज पांडे मौजूद थे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ। परेड कमांडर श्री भूपेन्द्र गुप्ता द्वारा राष्ट्रगान की धुन पर सलामी दी गई। पूर्ण वेशभूषा में सजे 13 प्लाटूनों ने अनुशासन, शौर्य और देशभक्ति से ओतप्रोत भव्य एवं आकर्षक परेड का प्रदर्शन किया। **मुख्यमंत्री के संदेश का किया वाचन** - केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। **तिरंगा शपथ के साथ नशामुक्ति का लिया संकल्प** - समारोह के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने उपस्थित सभी लोगों को तिरंगा शपथ दिलाई। वहीं ब्रह्मकुमारी दीदी ने उपस्थित जनसमुदाय को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राष्ट्रप्रेम, देश के प्रति कर्तव्यबोध और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

नक्सल हिंसा में शहीद जवानों के परिजनों का किया गया सम्मान - कार्यक्रम में नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिजनों को केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने सम्मानित किया। शहीद जवानों के परिजनों के सम्मान के अवसर पर कार्यक्रम स्थल भावुक और गौरवपूर्ण माहौल से भर उठा। उपस्थित लोगों ने वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। **उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित** - शासकीय कार्यों एवं दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करने वाले विभिन्न विभागों के 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। **परेड में महिला प्लाटूनों का शानदार प्रदर्शन** - परेड प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में जिला पुलिस बल महिला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नगर सेना महिला ने द्वितीय स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में एनसीसी जूनियर डिवीजन बिलासपुर ने प्रथम, एनसीसी सीनियर गर्ल्स ने द्वितीय तथा एनसीसी सीनियर बॉयज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। **देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां** - स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला ने प्रथम, एलसीआईटी बोदरी ने द्वितीय तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दुष्कर्म मामले में दोषमुक्त किए गए अमृतलाल केरकेट्टा और आशु राठौर

कोरबा। वर्ष 2009 के बहुचर्चित अपहरण, दुष्कर्म और धोखाधड़ी के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट, बिलासपुर ने तत्कालीन पुलिस उप निरीक्षक अमृतलाल केरकेट्टा और आशु राठौर को दोषमुक्त कर दिया है। 10 दिसंबर 2025 को सुनाए फैसले में कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की दोषसिद्धि और सजा निरस्त कर दी। अन्य आरोपियों को पहले ही बरी किए जाने के खिलाफ राज्य की अपील भी खारिज कर दी गई। सत्र न्यायालय, कोरबा ने 19 मार्च 2012 को अमृतलाल केरकेट्टा को आईपीसी की धारा 376(1) में 7 वर्ष का कठोर कारावास और आशु राठौर को धारा 420 तथा धारा 376(1)/109 में क्रमशः 1 वर्ष और 7 वर्ष की सजा सुनाई थी। अभियोजन के अनुसार पीड़िता को नौकरी दिलाने का भरोसा देकर आशु राठौर ने उसका एटीएम कार्ड और जेवर लिए तथा बाद में उसे बिलासपुर ले जाया गया, जहां अमृतलाल केरकेट्टा द्वारा जबरन यौन संबंध बनाने का आरोप था। इसके बाद उसे कोरबा, सक्ती और रायगढ़ ले जाने तथा धमकाकर रखने के आरोप भी लगाए गए थे। हाईकोर्ट ने पीड़िता के बयान का विस्तार से परीक्षण किया। कोर्ट के समक्ष उसने स्वीकार किया कि उसने शुरुआत में अमृतलाल और आशु के पक्ष में शपथपत्र और बयान दिया था, जिसमें उसने माता-पिता से परेशान होकर नौकरी की तलाश में बिलासपुर जाने की बात कही थी। बाद में माता-पिता और रिश्तेदारों के थाने पहुंचने पर उसने आरोपियों के खिलाफ बयान दिया। कोर्ट ने यह भी देखा कि वह कई स्थानों पर आरोपियों के साथ गई, कई मौकों पर संपर्क का अवसर मिला, लेकिन तत्काल किसी से शिकायत नहीं की। उसने आशु राठौर से फोन पर बातचीत की, लेकिन अपने माता-पिता से संपर्क नहीं किया। अदालत ने एटीएम कार्ड की बरामदगी को भी महत्वपूर्ण माना। कार्ड पीड़िता के पिता से जब्त हुआ था, न कि पीड़िता से। इसके अलावा पुलिस रिकॉर्ड में उसके घर से जाने की तारीख को लेकर भी विरोधाभास सामने आया। मेडिकल परीक्षण में डॉक्टर को शरीर पर बाहरी या आंतरिक चोट नहीं मिली। हाईकोर्ट ने इन परिस्थितियों को पीड़िता की गवाही में मौजूद अन्य विरोधाभासों के साथ देखा। हाईकोर्ट ने संतोष प्रसाद और वीपिन एड दा रेड. लाला/मामलों में सुप्रीम कोर्ट के सिद्धांतों (न्याय दृश्यान्त) का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल पीड़िता की गवाही के आधार पर दोषसिद्धि संभव है।

सौतेला पिता बना हैवान:अकेली पाकर बेटी से किया दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा के विशेष सत्र न्यायालय (पॉक्सो) ने नाबालिग से यौन अपराध के एक मामले में आरोपी सौतेले पिता धर्मेन्द्र कुमार साहू उर्फ धन्नू को 30 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर कुल 1,500 रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। विशेष सत्र प्रकरण (पॉक्सो) क्रमांक 49/2025 में यह फैसला 12 अगस्त 2026 को अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) कोरबा की अदालत ने सुनाया। मामला मानिकपुर पुलिस सहायता केंद्र (थाना कोतवाली कोरबा) के अपराध क्रमांक 567/2025 से संबंधित है। पीड़िता के वास्तविक पिता से उसकी माँ करीब 3 वर्ष पूर्व से अलग होकर सौतेले पिता आरोपी के साथ पति-पत्नी के रूप में रहती है। पीड़िता के जन्म के कुछ वर्ष बाद से ही माँ ने उसे उसके नाना-नानी के पास छोड़ दिया था। तब से पीडिता अपने नाना-नानी के घर में ही पली बढ़ी है। पीडिता की माँ और उसकी छोटी बहन कोरबा में रहते हैं, जिन्हें गर्मी की छुट्टी में नानी के घर में उसकी माँ छोड़ी थी। जुलाई 2025 में स्कूल खुलने से पीडिता की माँ अपनी दोनों बेटियों को कोरबा से लेने आयी थी। तब पीडिता बोली कि वह भी अपनी माँ के साथ में कोरबा घूमने के लिये जायेगी, तब 19 जुलाई 2025 को पीडिता अपनी माँ व दोनों बहनों के साथ कोरबा आयी। इससे पहले पीड़िता कोरबा कभी नहीं आयी थी और पीडिता ने आरोपी को पहली बार देखा था। पीडिता और उसकी बहन किराये के मकान में अपनी मां के साथ रह रहे थे। माँ रोज सुबह 9 बजे रोजी- मजदूरी करने जाती थी व आरोपी मिस्त्री का काम करता था और रोज 10 बजे काम पर जाता था।घटना दिनाँक 02 अगस्त 2025 को भी माँ काम पर गयी थी व बहन लोग स्कूल गये थे। आरोपी धर्मेन्द्र साहू घर पर ही था। उसने सुबह 11 बजे के लगभग जबरन गलत काम किया। चिल्लाने पर पीड़िता के मुँह पर कपड़ा रख दिया था। उसने धमकाया कि अगर यह बात को किसी को बतायी तो जान से मार दूँगा। पीडिता डर के कारण किसी को नहीं बतायी। बाद में जानकारी अपनी माँ को दी। तत्पश्चात चैकी मानिकपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई। धारा 65 (1), 351 (3) बीएनएस एवं 04 पॉक्सो एक्ट के तहत पुलिस ने एफ्आईआर दर्ज कर प्रकरण विवेचना में लिया। आरोपी धर्मेन्द्र कुमार साहू को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है ।

बैंक खाता और मोबाइल नंबर देना पड़ा भारी,म्यूल अकाउंट मामले में दो खाता धारकों पर कार्रवाई की

कोरबा। साइबर अपराधियों को बैंक खाता और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराना अब भारी पड़ सकता है। कोरबा पुलिस ने म्यूल अकाउंट (म्यूल अकाउंट) के मामले में जिले के दो खाताधारकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों ने कमीशन के बदले अपने बैंक खातों को अन्य लोगों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया था। पुलिस के अनुसार, साइबर थाना कोरबा में अलग-अलग बैंक खातों से जुड़े मामलों में धारा 317(2), 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही थी। विवेचना के दौरान दो खाताधारकों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में महेंद्र कुमार धीवर निवासी मानस नगर, कोरबा और के. प्रभाकर राव निवासी कृष्ण नगर, कोरबा द्वारा लाभ कमाने के उद्देश्य से अपने बैंक खाते अन्य व्यक्तियों को कमीशन के बदले इस्तेमाल करने के लिए देने की बात सामने आई। बाद में दोनों को पता चला कि संबंधित बैंक खाते होल्ड हो गए हैं। पुलिस ने उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोनों

के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। मामले की विवेचना अभी जारी है। साइबर अपराधी अक्सर लोगों को कमीशन या आसान कमाई का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते हैं या पहले से संचालित खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से हासिल रकम के लेन-देन के लिए करते हैं। ऐसे खातों को म्यूल अकाउंट कहा जाता है। पुलिस के मुताबिक, साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले खातों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। किसी अन्य व्यक्ति को अपना बैंक खाता इस्तेमाल करने देने वाले खाताधारक भी जांच और कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

कोरबा पुलिस ने नागरिकों से अपीलः- कोरबा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि कमीशन या आसान कमाई के लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम, सिम या मोबाइल किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग के लिए न दें। लोगों को सलाह दी गई है कि बैंक खाते, एटीएम, डेबिट कार्ड, पासबुक, चेकबुक और इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साथ ही खाते में होने वाले लेन-देन पर नियमित नजर रखें। पुलिस ने यह भी कहा है कि किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर अपने खाते में रकम प्राप्त कर उसे दूसरे खाते में ट्रांसफर या नकद निकालकर न दें। संदिग्ध लेन-देन की जानकारी मिलने पर तत्काल बैंक और पुलिस को सूचना दें। कोरबा पुलिस का संदेशः थोड़े से आर्थिक लाभ के लिए अपना बैंक खाता या सिम किसी को देना आपको साइबर अपराध की जांच और कानूनी कार्रवाई के दायरे में ला सकता है।

नकली ऑटोमोबाइल उत्पाद मामले में एक और गिरफ्तारी.....

- अनूप गोयल गिरफ्तार, डीईएफ पैकेजिंग को लेकर जांच तेज

कोरबा। दीपका थाना क्षेत्र के ग्राम तिवरता स्थित श्रद्धा पेट्रोल पंप में कथित नकली ऑटोमोबाइल उत्पादों के भंडारण और बिक्री के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी अनूप गोयल (अग्रवाल) को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पेट्रोल पंप संचालक चैतन्य मनहर को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में 7 अगस्त को दीपका पुलिस ने पेट्रोल पंप के पीछे स्थित स्टोर रूम में दबिश दी थी। कार्रवाई के दौरान टाटा मोटर्स डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड (डीईएफ) के 192 नग और गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट के 20 नग, कुल 212 सीलबंद उत्पाद बरामद किए गए थे। यह कार्रवाई टाटा ईआईपीआर (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड के जांच अधिकारी सानी घोष की रिपोर्ट के आधार पर की गई। पुलिस ने चैतन्य मनहर और अनूप गोयल के खिलाफ ठछै की धारा 318(4), 347, 349 और कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक अपराध दर्ज होने के बाद अनूप गोयल फरार था। तलाश के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कोरबा कोतवाली थाना क्षेत्र के मोतीसागर पारा स्थित उसकी फैक्ट्री में भी जांच की गई। पुलिस ने वहां डीईएफ के निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। अब यह जांच की जा रही है कि फैक्ट्री में निर्मित डीईएफ को पैकेजिंग कर ब्रांडेड नाम से बेचने की अनुमति थी या नहीं।जांच के दौरान फैक्ट्री में डीईएफ की पैकेजिंग से संबंधित यूनिट नजर नहीं आने की बात सामने आई है। ऐसे में पुलिस यह भी जांच कर रही है कि यदि यहां डीईएफ तैयार किया जाता था, तो उसकी पैकेजिंग कहां होती थी और उत्पाद को किस प्रक्रिया के तहत बाजार में भेजा जाता था। हालांकि, ब्रांडेड स्टीकर और पैकेजिंग से जुड़े आरोपों की वास्तविक स्थिति पुलिस और तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। डीईएफ का इस्तेमाल आधुनिक डीजल वाहनों में एससीआर सिस्टम के जरिए प्रदूषण कम करने के लिए किया जाता है। ऐसे में इसकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण मानी जाती है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि जब्त उत्पादों की वास्तविक गुणवत्ता और निर्माण स्रोत क्या है। इधर श्रद्धा फ्यूल्स के संचालक आरोपी चैतन्य मनहर के पिता और डीलर कुशल मनहर ने पूरे मामले से खुद को अलग बताया है। उनका दावा है कि डीईएफ और ऑयल से जुड़े मामले में उनके बेटे को गुमराह किया गया और कथित तौर पर पूरा काम अनूप गोयल से संबंधित है।

जनसंपर्क की सभी विधाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती रचना मिश्रा सम्मानित किए गए..

- केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बिलासपुर/ संवाददाता

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह के मंच से जनसंपर्क विभाग बिलासपुर की सहायक जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती रचना मिश्रा को जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। श्रीमती रचना मिश्रा ने जनसंपर्क की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करते हुए विभागीय दायित्वों का प्रभावी निर्वहन किया है।

बिलासपुर जिले में माननीय राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री सहित राज्यपाल और मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान समाचारों के त्वरित प्रेषण तथा मीडिया समन्वय में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बेहतर तालमेल एवं समन्वय स्थापित करते हुए समाचारों के प्रभावी प्रसारण में योगदान दिया है। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं जन कल्याणकारी कार्यक्रमों पर आधारित समाचार, सफलता की कहानियों और आलेखों के निर्माण में भी श्रीमती मिश्रा का कार्य उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने योजनाओं के जमीनी प्रभाव और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से सामने लाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। जनसंपर्क की बदलती कार्यशैली के अनुरूप सोशल मीडिया को समाचार संप्रेषण का प्रभावी माध्यम बनाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी देखरेख एवं मार्गदर्शन में जनसंपर्क विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के फॉलोअर्स की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। श्रीमती रचना मिश्रा को सम्मान मिलने पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल, संयुक्त संचालक जनसंपर्क श्री मुनुदाऊ पटेल सहित जिला कार्यालय एवं जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नाग पंचमी की पूजा के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, प्रसन्न होंगे नाग देवता

पंचांग के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त को मनाया जाएगा। यह त्योहार नाग देवता को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सांपों को दूध पिलाने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और नाग देवता की पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन पूजा के दौरान कुछ गलतियों को करने से कई समस्या जीवन में आ सकती है।

सावन के महीने में नाग पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन नाग देवता की पूजा-अर्चना और व्रत करने का विधान है।

मान्यता है कि नाग देवता की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा नियम का पालन न करने से साधक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है। चलिए इस लेख में जानते हैं नाग पंचमी की पूजा के नियम के बारे में।

इन बातों का रखें ध्यान

नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद पूजा करें। इस दिन मंदिर में चांदी के नाग और नागिन का दूध से अभिषेक करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को राहु और केतु से संबंधित दोषों से छुटकारा मिलता है।

- नाग पंचमी पर चांदी के नाग और नागिन का दान करने से कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा साधक को नाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- नाग पंचमी के अवसर पर पूजा के दौरान नाग देवता को दूध अर्पित करें। इससे भय दूर होता है और परिवार के सदस्यों को सुख-शांति की प्राप्ति होती है।
- नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिवलिंग पर दूध अर्पित करने के लिए तांबे के धातु से बने पात्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दूध चढ़ाने के लिए पीतल से बने पात्र को अच्छा माना जाता है।
- इसके अलावा नुकीली चीजों के इस्तेमाल से दूर रहें। ऐसा करना हानिकारक हो सकता है और इससे नाग देवता क्रोधित हो सकते हैं।

नाग पंचमी के दिन क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

नाग पंचमी हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. यह दिन पूरी तरह से नागों या सांपों को समर्पित है, जिनकी हिंदू पौराणिक कथाओं में पूजा की जाती है. इस दिन बड़ी संख्या में भक्त नागों की पूजा करते हैं. यह त्योहार भारत और नेपाल में भी पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल नाग पंचमी सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 17 अगस्त को मनाई जाएगी.

नाग पंचमी सावन के महीने में आती है जो भगवान शिव को समर्पित एक पवित्र महीना है. हिंदू शास्त्रों के अनुसार, नागों को हमेशा एक विशेष स्थान दिया जाता है और उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाता है. नाग पंचमी के इस शुभ दिन पर, भक्त भगवान के रूप में नागों, सर्पों या सांपों की पूजा करते हैं. लोग मिट्टी से सांप बनाते हैं और उन्हें अलग-अलग रूप देते हैं और उन्हें रंगते हैं, उनकी पूजा करते हैं और दूध और अन्य खाद्य पदार्थ चढ़ाते हैं. कई लोग विशेष रूप से दक्षिण भारत में नागों या सांपों से जुड़े मंदिरों में जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं. उन मंदिरों में विशेष पूजा की जाती है और लोग इस त्योहार को बहुत भव्यता के साथ मनाते हैं. सपेरे भी सांपों को लेकर सड़कों पर निकलते हैं और उन्हें दूध और पैसे चढ़ाए जाते हैं.

नाग पंचमी का क्या है इतिहास

हिंदू धर्म में नाग पंचमी के उत्सव से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं. ऐसी ही एक लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और कंस की है. चूंकि भगवान कृष्ण को कंस के अंत का कारण माना जाता था, इसलिए कंस ने भगवान कृष्ण को मारने के लिए कालिया नामक एक सांप को भेजा था. एक दिन जब भगवान कृष्ण नदी के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तो उनकी गेंद पानी में गिर गई. जब वह अपनी गेंद को खोजने के लिए पानी में उतरे, तो उन पर कालिया ने हमला कर दिया. लेकिन अपनी विशेष शक्तियों के कारण, कृष्ण ने न केवल सांप को हराया बल्कि उस पर विजय प्राप्त की और उसके सिर पर बैठकर बांसुरी बजाई. कालिया ने बालकृष्ण से माफ़ी मांगी और वादा किया कि वह कभी भी गांव वालों को नुकसान पहुंचाने के लिए वापस नहीं आएगा यह दिन कालिया पर बालकृष्ण की जीत का प्रतीक है.

नाग पंचमी मंत्र

ॐ नवकुलया विद्महे विषदंतये धीमहि तन्नो सर्प: प्रचोदयात..!!

आपको बता दें कि नाग पंचमी के दिन लोहे की वस्तुओं का प्रयोग वर्जित माना जाता है. ऐसे में अगर आप लोहे के तवे पर रोटी बनाते हैं तो यह बहुत ही अशुभ माना जाता है. इतना ही नहीं, ऐसी भी मान्यता है कि तवे को सांप के फन का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में तवे को आंच या गैस पर चढ़ाने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं. इसलिए नाग पंचमी के दिन तवे को चूल्हे पर नहीं रखना चाहिए. इसके अलावा तवे को राहु का प्रतीक भी माना जाता है. वहीं, अगर इस दिन तवे का प्रयोग किया जाए तो आपकी कुंडली में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है. जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं. इसलिए इस दिन रोटी खाना वर्जित माना जाता है. इसके साथ ही अगर कोई नाग पंचमी के दिन रोटी खाता है तो उसके जीवन में धन की कमी भी होती है.

नाग पंचमी पर क्यों पीटते हैं गुड़िया

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक लड़का महादेव का बहुत बड़ा भक्त था. वह प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिर जाता था. उस लड़के को मंदिर में प्रतिदिन नाग देवता के दर्शन होते थे. एक बार सावन के महीने में जब वह लड़का अपनी बहन के साथ शिवलिंग की पूजा करने आया. तब भाई-बहन की पूजा से प्रसन्न होकर नाग देवता उन दोनों के पास आकर बैठ गए. यह देखकर लड़के की बहन बहुत डर गई. उसे लगा कि कहीं सांप उसके भाई को न काट ले, इसलिए उसने सांप को डंडे से पीटना शुरू कर दिया. जिससे सांप बहुत घायल हो गया. भाई सांप की हालत देखकर बहुत दुखी हो रहा था. उस समय मंदिर में उपस्थित पुजारी ने कहा कि एक निर्दोष सांप को प्रताड़ित करने के कारण बहन पर सर्प श्राप लग गया है, जिसके कारण तुम्हारी बहन को कई गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. भाई ने इस श्राप से मुक्ति पाने का उपाय पूछा तो पुजारी ने उसे कपड़े की एक गुड़िया बनाने को कहा. लड़के ने पुजारी के बताए अनुसार कपड़े की एक गुड़िया बनाई और उसे 11 बार सीधा और 11 बार उल्टा पीटना शुरू कर दिया. फिर उसने गुड़िया को जमीन में गहरा गाड़ दिया और इसके बाद सांप की पूजा की. भाई के ऐसा करते ही बहन को सर्प श्राप से मुक्ति मिल गई. कहा जाता है कि तभी से नाग पंचमी पर गुड़िया को पीटा जाने लगा ताकि नाग देवता को किसी भी प्रकार की पीड़ा न हो.

कब है नाग पंचमी? सही तारीख, पूजा का शुभ समय

मुहूर्त और राहुकाल का समय

नाग पंचमी का पर्व सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में पंचमी तिथि दो तारीखों यानी 16 और 17 अगस्त को पड़ रही है। इसी वजह से लोगों के बीच यह सवाल है कि नाग पंचमी का व्रत और पूजन 16 अगस्त को किया जाए या 17 अगस्त को। पंचांग के अनुसार तिथि और सूर्योदय के नियम को समझने पर इस सवाल का स्पष्ट उत्तर मिल जाता है।

नाग पंचमी 16 या 17 अगस्त को?

दृक पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पंचमी तिथि 16 अगस्त को शाम 4 बजकर 52 मिनट पर आरंभ होगी और 17 अगस्त को शाम 5 बजे समाप्त होगी। यानी पंचमी तिथि 16 अगस्त की शाम से शुरू होकर अगले दिन शाम तक रहेगी। हिंदू धर्म में अधिकतर व्रत और त्योहार उस तिथि के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं, जो सूर्योदय के समय मौजूद रहती है। 17 अगस्त को सूर्योदय के वक्त पंचमी तिथि विद्यमान रहेगी। इस दिन सूर्योदय सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर होगा। इसलिए पंचांग और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त 2026 को मनाना उचित रहेगा।

पूजा का शुभ समय

17 अगस्त को नाग पंचमी की पूजा के लिए सुबह 5:51 बजे से 8:29 बजे तक का समय शुभ रहेगा। इस 2 घंटे 37 मिनट की अवधि में नाग देवता की पूजा-अर्चना की जा सकती है। मान्यता है कि नाग पंचमी पर विधि-विधान से पूजा करने और शिव आराधना करने से नाग संबंधी दोषों से राहत मिलती है। कालसर्प दोष से जुड़े उपाय भी इस दिन किए जाते हैं। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:24 बजे से 5:08 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:59 बजे से दोपहर 12:51 बजे तक रहेगा। निशिता मुहूर्त रात 12:03 बजे से 12:47 बजे तक रहने वाला है।

नाग पंचमी पर राहुकाल का समय

17 अगस्त को राहुकाल सुबह 7:30 बजे से 9:08 बजे तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राहुकाल में राहु-केतु से संबंधित दोषों की शांति के लिए भगवान शिव की आराधना की जाती है। कालसर्प दोष को भी राहु और केतु से जुड़ा माना जाता है। ऐसे में इस दिन शिव पूजन, मंत्र जाप और दोष निवारण से जुड़े धार्मिक उपाय किए जा सकते हैं।

नाग पंचमी पर बनेंगे रवि और शुभ योग

इस बार नाग पंचमी के दिन दो विशेष योग बन रहे हैं। इनमें पहला रवि योग है, जो 17 अगस्त को सुबह 5:51 बजे से शुरू होकर सुबह 8:04 बजे तक रहेगा। इसके बाद रवि योग 18 अगस्त को सुबह 4:58 बजे से 5:52 बजे तक रहेगा। ज्योतिषीय मान्यता में रवि योग को शुभ माना जाता है और इस दौरान किए गए शुभ कार्यों के लिए यह समय अनुकूल माना जाता है। इसके अलावा 17 अगस्त को सुबह से शुभ योग भी रहेगा, जो 18 अगस्त को तड़के 3:29 बजे तक चलेगा। इसके बाद शुक्ल योग आरंभ हो जाएगा।

नाग पंचमी पर करें नाग दोष और काल सर्प दोष से जुड़े ये अचूक उपाय

नाग पंचमी पर सावन में भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की भी पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से न केवल सर्प दोष दूर होते हैं, बल्कि नाग को दूध पिलाने से कई संकट भी दूर होते हैं। आइए जानते हैं, नाग पंचमी की सही तिथि, पूजा की विधि और इस बारे में कि यह योग किस प्रकार आपके लिए लाभकारी है ...

अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि काल सर्प दोष और नाग दोष में क्या अंतर है। सनातन धर्म में नागों का विशेष महत्व है और उन्हें देवता के रूप में पूजा जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में सर्पों से जुड़े दोषों का उल्लेख मिलता है जिन्हें नाग दोष और काल सर्प दोष के नाम से जाना जाता है। इन दोषों से व्यक्ति के जीवन में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं। हालांकि अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है।

क्या होता है नाग दोष?

नाग दोष मुख्य रूप से राहु के नकारात्मक प्रभाव के कारण बनता है। यह तब उत्पन्न होता है जब कुंडली में राहु या केतु का संबंध कुछ विशेष भावों जैसे पहला, दूसरा, पांचवां, सातवां, आठवां आदि होता है। नाग दोष अक्सर पूर्वजों से संबंधित कर्मों या किसी नाग के अनादर के कारण उत्पन्न माना जाता है। यदि पूर्वजों ने अनजाने में किसी नाग को क्षति पहुंचाई हो या फिर किसी नाग को भूल से मार दिया हो और फिर उसके बाद उस नाग का विधिवत अंतिम संस्कार न किया हो और न ही क्षमा मांगी हो। नाग दोष से पीड़ित व्यक्ति को सबसे ज्यादा वैवाहिक जीवन में परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

क्या होता है काल सर्प दोष?

कालसर्प दोष तब बनता है जब राहु और केतु के बीच कुंडली के सभी 7 ग्रह सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि आ जाते हैं। इसमें कुंडली का आधा हिस्सा राहु-केतु के बीच घिर जाता है और बाकी आधा खाली रहता है। यह दोष 12 प्रकार के हैं जो राहु-केतु की स्थिति पर निर्भर करते हैं।

कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को जीवन में संघर्ष, काम में बार-बार बाधाएं, आर्थिक परेशानियां, स्वास्थ्य समस्याएं और रिश्तों में तनाव का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि इस दोष से पीड़ित लोगों को नींद में सांप दिखने लगते हैं या फिर बहुत ज्यादा गला घुटने जैसा महसूस होने लग जाता है।

नाग दोष और काल सर्प दोष के उपाय

नाग दोष और काल सर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव का अभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि नाग शिवजी के गले का हार हैं। ऐसे में शिव पूजन से इन दोनों दोषों का प्रभाव निष्फल हो जाता है। इसके अलावा, ॐ नमः शिवाय मंत्र का रोजाना जाप भी बहुत असरदार है। किसी भी सोमवार या फिर नाग पंचमी के दिन चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा बनवाएं। इसे एक थाली में रखकर कच्चा दूध, बताशा और फूल अर्पित करें। फिर ॐ नागेंद्रहाराय नमः मंत्र का जाप करते हुए इस जोड़े को शिवलिंग पर अर्पित कर दें।

एस आर हॉस्पिटल में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

मैराथन दौड़ से दिया 'फिट इंडिया, हिट इंडिया' का संदेश, उत्कृष्ट कर्मचारियों और 'स्वच्छता वीरों' का हुआ सम्मान

एसआर हॉस्पिटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर चिखली दुर्ग में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और गरिमामय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। (फोटोःनाहीद शेख)

दुर्ग/ब्यूरो। एसआर हॉस्पिटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और गरिमामय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता राम उपकार तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, वंदे मातरम्, मैराथन दौड़ और सम्मान समारोह सहित विभिन्न आयोजन हुए।

शान से लहराया तिरंगा, गूंजा राष्ट्रगान

स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत एसआर हॉस्पिटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक संजय तिवारी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। तिरंगा फहराते ही पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से सराबोर हो गया। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान और वंदे मातरम् का गायन किया। इस दौरान देशभक्ति के नारों से अस्पताल परिसर गूंज उठा।

4 किलोमीटर मैराथन में दिखा उत्साह

स्वतंत्रता दिवस को स्वास्थ्य और फिटनेस से जोड़ते हुए संस्थान की ओर से 'फिट इंडिया, हिट इंडिया' संदेश के साथ 4 किलोमीटर की मैराथन दौड़ आयोजित की गई। मैराथन एसआर हॉस्पिटल परिसर से शुरू होकर करहीडीह चौक तक पहुंची और वहां से वापस अस्पताल परिसर में समाप्त हुई। डॉक्टरों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मान

समारोह के समापन अवसर पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अस्पताल में वर्षभर उत्कृष्ट कार्य, जिम्मेदारी और सेवा भावना के साथ योगदान देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें प्रेमलाल चंद्राकर, डॉ. अश्वनी शुक्ला, सिस्टर सीमा बरहरे, तनुजा, जाकिर हुसैन, राजेश त्रिपाठी, रामचंद्र देशमुख, आशीष गिरी, अभिषेक रिछारिया, सीमा शर्मा, यमुना पटेल, भूमिका ठाकुर, नेहा ठाकुर, प्रियेश मिश्रा, रुपेश, अरविंद खैरवार, अफसार निशा, वाहन चालक चेतन, संतोष देवांगन, छोटू तिवारी, लक्की शर्मा सहित अन्य स्टाफ अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

'स्वच्छता वीरों' को भी मिला सम्मान

समारोह में अस्पताल को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाईकर्मियों को विशेष रूप से 'स्वच्छता वीर' के रूप में सम्मानित किया गया। उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा गया कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने में सफाई कर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

कर्मचारियों की सेवा भावना की सराहना

मुख्य अतिथि राम उपकार तिवारी और चेयरमैन संजय तिवारी ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, विद्यार्थियों और कर्मचारियों द्वारा मरीजों की सेवा तथा संस्थान के विकास में किए जा रहे योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में डॉक्टर रंजन सेन गुप्ता, के.के. जैन, वाई.के. शर्मा, विश्वामित्र दयाल, विष्णु मिश्रा, लोकतंत्र प्रहरी के संपादक संतोष कुमार दुबे, अमित मिश्रा, ओम नमः शिवाय, शंकर सहानी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ, छात्र-छात्राएं और स्थानीय नागरिकों ने भी समारोह में भाग लिया।

अखिलेश सिंह और रेखा पारकर का जन्मदिन भी मनाया गया

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसी अवसर पर संस्था की कर्मी कु. रेखा पारकर का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, अन्य कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। पूरे आयोजन में देशभक्ति, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश प्रमुखता से देखने को मिला।

कांवड़ यात्रा में भक्ति के साथ सादगी, सेवा और अपनत्व की झलक

कवर्धा। माँ नर्मदा के पावन तट अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक चल रही 151 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था और शिवभक्ति का मार्ग नहीं, बल्कि लोगों से आत्मीयता से जुड़ने, उनकी खुशियों में सहभागी बनने और उनकी तकलीफों को अपना समझने की संवेदनशील यात्रा भी बनती जा रही है। विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में आगे बढ़ रही इस यात्रा में भक्ति के साथ सादगी, सेवा, प्रेम और अपनत्व के भाव लगातार दिखाई दे रहे हैं। यात्रा के दौरान एक बैगा आदिवासी बहन के पैर में चोट लगने पर विधायक भावना बोहरा ने जिस आत्मीयता के साथ उनकी मदद की, वह पल यात्रा की भावनात्मक स्मृतियों में खास बन गया। उन्होंने स्वयं उनके घाव पर मरहम लगाया और उनकी पीड़ा को कम करने का प्रयास किया। उस समय उनके चेहरे पर दिखाई दिया अपनापन और संतोष यह संदेश देता नजर आया कि जनप्रतिनिधित्व केवल मंच और कार्यालय तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरत के समय लोगों के बीच खड़े होने का नाम भी है। कांवड़ यात्रा के दौरान खुड़िया क्षेत्र के महामाई गांव में भी विधायक भावना बोहरा का सहज और सरल रूप देखने को मिला। यात्रा के बीच एक दीदी के घर पहुंचकर उन्होंने प्रसाद तैयार करने में सहयोग किया। घर के सामान्य वातावरण में परिवार के सदस्य की तरह भोजन तैयार करते हुए उनकी तस्वीर ने यात्रा के आध्यात्मिक पक्ष के साथ मानवीय रिश्तों की गर्माहट को भी सामने रखा। दरअसल, आस्था की असली शक्ति तभी दिखाई देती है, जब वह सेवा और संवेदना से जुड़ती है। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना, ग्रामीणों के बीच सहजता से बैठना, उनके घरों में आत्मीयता से जाना और जरूरत के समय सहायता का हाथ बढ़ाना यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन से आगे ले जाता है। 151 किलोमीटर की यह यात्रा छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ जन-जन के बीच प्रेम, भाईचारे और अपनत्व का संदेश भी दे रही है। ग्रामीण अंचल में लोगों के बीच पहुंचकर भावना बोहरा का सहज व्यवहार यह अनुभव कराता है कि आस्था की राह पर दूरी चाहे कितनी भी हो, दिलों के बीच की दूरी प्रेम, सेवा और संवेदना से कम की जा सकती है। कांवड़ यात्रा के इन भावुक और सादगी भरे क्षणों में भक्ति के साथ मानवीय संवेदनाओं की ऐसी तस्वीर उभर रही है, जो यात्रा को एक यादगार आध्यात्मिक अनुभव के साथ-साथ जनसरोकार और आत्मीयता का सफर भी बना रही है।

अटल स्मृति उद्यान में राम भक्त कार सेवकों का किया गया सम्मान

आरएसएस के पूर्व प्रांत चालक बिसरा राम यादव ने अयोध्या के कार सेवकों का किया स्मरण, स्व.अटल जी की ओजस्वी वाणी, राष्ट्रवादी सोच और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण भारत वासियों के लिए प्रेरणा स्रोत

भिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न परम श्रद्धेय स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि 16 अगस्त के अवसर पर कैंप-2 स्थित गायत्री मंदिर मार्ग, भिलाई के स्व.अटल स्मृति उद्यान परिसर में रामभक्त कार सेवकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रांत चालक सम्माननीय बिसरा राम यादव व अन्य अतिथियों द्वारा रामभक्त कार सेवकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बिसरा राम यादव ने अयोध्या गए कार सेवकों की भगवान की राम भक्ति व आस्था के बारे में बताते हुए कहा कि,वर्ष 1990 में उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार में अनेकों कार सेवक मारे गए थे .दुबारा वर्ष 1992 में मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की सरकार थी उस समय बाबरी मस्जिद का ढांचा ढहाया गया था .कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित प्रभुनाथ मिश्रा ने श्रद्धेय स्व.अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा राष्ट्रहित में किए गए योगदान और उनके विराट राजनीतिक व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए कहा कि स्व अटल जी ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट आस्था और देश के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को संदेव प्रेरणा देता रहेगा। स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की ओजस्वी वाणी, राष्ट्रवादी सोच और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण आज भी भारत वासियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

सम्मान समारोह में अजय केडिया, अमर सोनकर, अशोक कुमार उपाध्याय, भागचंद जैन, बृजेश बिचपुरिया, बुधन सिंह ठाकुर, विष्णु चंद्राकर, देश दीपक सिंह, डॉ. बी. लक्ष्मी नारायण, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, लछन पाठक, पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रहलाद शर्मा, अतुल भेलोंडे, प्रवीण पांडे, प्रेम रतन गहलोत, राम आश्रय दुबे, राजमणि दुबे, रूपचंद अनुराग भोसले, एस.एन. सिंह, तोरण लाल सिन्हा, तेज बहादुर सिंह, त्रिलोचन सिंह, योगेंद्र सिंह, विनय शर्मा, विजय शर्मा, दिलीप नाहर एवं रवि नाहर,सुभाष पाण्डेय सहित अनेक कार सेवको का शाल व श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में बतौर अतिथि प्रभुनाथ मिश्रा, गजेंद्र सिंह (पूर्व इंटक नेता), डॉ.संजय तिवारी (एसआर हॉस्पिटल), अरविंद जैन , शिरीष अग्रवाल, पुरुषोत्तम टावरी और कन्हैया सोनी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजक चंद्रप्रकाश सोनी ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत चंदन लगाकर किया। आयोजन समिति के सदस्य प्रदीप सेन गुप्ता, अनिल धारे, राजा हावगे, केवल सिंह, मनोज मुखर्जी, परसराम साहू, जीवन गुप्ता, भगवती लाल सिंह, अतुल चक्रवर्ती, राजेश सिंह, विजय सोनी साहू,संजु जायसवाल,कामेश राव सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

सम्मान समारोह में क्षेत्र की महिलाओं एवं नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता ली । उपस्थित गणों ने स्व.अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रसेवा, सुशासन और देशहित के विचारों को स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। यह आयोजन कार सेवकों के सम्मान के साथ सामाजिक एकता और राष्ट्रसेवा की भावना का संदेश आने वाली पीढ़ी को प्रदान करता है। एस आर हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमेन व लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं प्रोडक्शन के प्रधान संपादक डॉ.संजय तिवारी ने चंद्र प्रकाश सोनी व उनकी टीम के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उनके सफल आयोजन पर बधाई दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com